✸ 19th Year
✸ Issue: 211
✸ 05.12.2025 (FRIDAY)
✸ ROURKELA
✸ R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
✸ (Pages-6)
✸ Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar
प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल
Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

भारत के भरोसेमंद मित्र व्लादिमीर पुतिन दिल्ली पहुंचे, दोस्त की अगवानी करने खुद हवाई अड्डे पर पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी

नयी दिल्ली ०४/१२ (संवाददाता): रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज शाम कड़ी सुरक्षा के बीच दो दिवसीय भारत यात्रा पर पहुँचे। चार वर्षों बाद भारत आये रूसी राष्ट्रपति का विशेष विमान जैसे ही हवाई अड्डे पर उतरा वैसे ही यह देखकर पुतिन चौंक गये कि वहां अपने दोस्त का स्वागत करने के लिए खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूद थे। दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी भरा आलिंगन इस बात का संकेत था कि वैश्विक राजनीति की तमाम जटिलताओं के बावजूद दिल्ली और मॉस्को के बीच व्यक्तिगत और रणनीतिक भरोसा कायम है।

हम आपको बता दें कि पुतिन की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब वैश्विक व्यवस्था तेज़ी से बदल रही है, रूसङ्क यूक्रेन संघर्ष अपने महत्वपूर्ण मोड़ पर है और भारतङ्कअमेरिका संबंध नए तनावों से गुजर रहे हैं। ऐसे माहौल में पुतिन का दिल्ली पहुँचना न केवल कूटनीतिक दृष्टि से अहम है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच दशकों पुराने 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' के नए अध्याय की शुरुआत का संकेत भी देता है। हम आपको यह भी बता दें कि रूसी राष्ट्रपति के आगमन से पहले ही राष्ट्रीय राजधानी को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरों में बदल दिया गया।

दिल्ली पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों और पुतिन की निजी सुरक्षा टीम ने मिलकर एक बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। संवेदनशील मार्गों पर स्नाइपर्स, स्वैट टीमें, आतंकवाद रोधी इकाइयाँ और त्वरित प्रतिक्रिया दल तैनात किए गए हैं। 5,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, जबकि ड्रोन-रोधी

प्रणाली और उन्नत तकनीकी निगरानी तंत्र भी सक्रिय कर दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मिनट-टू-मिनट कोऑर्डिनेशन के साथ पूरी यात्रा पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया है। यह वही परंपरा है जिसकी झलक पिछले वर्ष तब भी दिखी थी जब रूस यात्रा में पुतिन ने मोदी को निजी भोज पर आमंत्रित किया था। यह 'डिनर डिप्लोमेसी' केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि दोनों नेताओं के व्यक्तिगत समीकरण की गहराई को दर्शाती है। इस अनौपचारिक बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार विस्तार, रक्षा सहयोग और नए उभरते क्षेत्रों— जैसे स्पेस टेज़्नोलॉजी, लॉजिस्टिज़्स, न्यूज़्लियर मॉड्यूलर रिएज़्टर और कौशल एवं श्रमिक गतिशीलता आदि पर व्यापक विमर्श होने की संभावना है।

रूसी राष्ट्रपति के कल के कार्यक्रम को देखें तो पुतिन का मुज़्य कार्यक्रम शुक्रवार को ही है। वह सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे, यह परंपरागत कदम हर प्रमुख विदेशी नेता की भारत यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसके बाद राष्ट्रपति भवन में रूसी राष्ट्रपति का औपचारिक स्वागत किया जाएगा। पुतिन की भारत यात्रा का सबसे अहम पड़ाव हैदराबाद हाउस में होने वाली 23वीं भारतङ्करूस शिखर वार्ता है, जहाँ दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों की पूरी रूपरेखा पर चर्चा करेंगे। व्यापार एवं आर्थिक सहयोग का विस्तार, रूसी कच्चे तेल से जुड़े व्यापारगत असंतुलन, अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव और वैकल्पिक भुगतान एवं व्यापार मार्गों पर भी विशेष रूप से बातचीत होने की संभावना है।

हम आपको बता दें कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं— जिनमें श्रमिक गतिशीलता को सरल बनाने, रक्षा सहयोग के ढांचे को मजबूत करने और 2030 तक आर्थिक साझेदारी के लिए विस्तृत रोडमैप शामिल हैं।

इसके अलावा, हैदराबाद हाउस में कार्यकारी दोपहर भोज के बाद पुतिन भारतङ्करूस बिज़्नेस फोरम को संबोधित करेंगे। दोनों पक्षों को उज़्मीद है कि औद्योगिक सहयोग, उभरती तकनीकों, स्वास्थ्य, माइनिंग, खाद्य प्रसंस्करण और उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्रों में निजी क्षेत्र के निवेश और साझेदारी को नई गति मिलेगी। शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में पुतिन के सज़्मान में एक भव्य राजकीय भोज देंगी, जिसके बाद शुक्रवार रात लगभग साढ़े नौ बजे पुतिन भारत से प्रस्थान करेंगे। लगभग 28 घंटे की इस यात्रा के दौरान वह रूस के सरकारी प्रसारक ऋक्ष के भारतीय चैनल के लॉन्च में भी शिरकत करेंगे, जो मॉस्को की सांस्कृतिक एवं मीडिया पहुंच बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है।

देखा जाये तो यह यात्रा स्पष्ट करती है कि मौजूदा वैश्विक तनावों और बदलते समीकरणों के बावजूद भारत और रूस अपने संबंधों को समय के साथ ढालते हुए आगे बढ़ा रहे हैं।

जहाँ एक ओर भारत रूस से सस्ते कच्चे तेल की खरीद जारी रखकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह संतुलित कूटनीति के जरिए वैश्विक मंच पर संवाद को बढ़ावा देने की भूमिका निभा रहा है। पुतिन और मोदी की यह मुलाकात केवल द्विपक्षीय वार्ता नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति की दिशा और एशियाङ्कयूरेशिया क्षेत्र में स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कड़ी सुरक्षा, गर्मजोशी भरे स्वागत और गहन रणनीतिक वार्ताओं के बीच राष्ट्रपति पुतिन की यह यात्रा भारतङ्करूस साझेदारी में नई ऊर्जा भरने वाली साबित हो सकती है।

भविष्य की सुरक्षा पर भारत-रूस की अहम बैठक, विशेष साझेदारी से बढ़ेगी वैश्विक शक्ति

नयी दिल्ली ०४/१२ (संवाददाता) सैन्य एवं सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 22वीं मंत्रिस्तरीय बैठक आज नई दिल्ली में आयोजित हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रेई बेलौसोव ने सहयोग के विविध पहलुओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि रूस भारत का एक समय-परीक्षित मित्र है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं हमारे देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए भारत आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। रूस भारत का समय-परीक्षित, विशेषाधिकार प्राप्त और रणनीतिक साझेदार है, और 2000 में भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा पर हस्ताक्षर करने के बाद से हमारा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग काफी बढ़ा है।

राजनाथ ने कहा कि यह अच्छी बात है कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद, हमारा भारत-रूस रक्षा सहयोग स्वस्थ गति से आगे बढ़ रहा है और हमारे सशस्त्र बलों के कर्मियों और विशेषज्ञों के बीच परिणाम-उन्मुख आदान-प्रदान ने हमारी रक्षा साझेदारी की गति को बनाए रखा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम पिछले महीने मास्को में व्यापार और आर्थिक सहयोग पर भारत-रूस कार्य समूह की 26वीं बैठक के सफल आयोजन और रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता शुरू होने का स्वागत करते हैं। हम 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सज़्मेलन के लिए रूसी संघ के राष्ट्रपति महामहिम व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा का भी उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे, जो आज पूरी हो गई। मेरा मानना है कि नेताओं का यह शिखर सज़्मेलन हमारे दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी को और मजबूत करेगा। रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने कहा कि नमस्ते, मुझे भारतीय धरती पर आपसे एक बार फिर मिलकर खुशी हुई।

बीजेपी का नया चेहरा कौन? राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर टिकीं सबकी निगाहें

नयी दिल्ली ०४/१२ (संवाददाता) भाजपा ने नए अध्यक्ष को लेकर लगातार मंथन चल रहा है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव (संगठन) बीएल संतोष की बुधवार को संसद भवन में हुई बैठक ने नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चा फिर से तेज कर दी। बताया जा रहा है कि बंद कमरे में लगभग एक घंटे तक चली इस चर्चा में महत्वपूर्ण संगठनात्मक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में अगले भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया, उज़्र प्रदेश के लिए नए अध्यक्ष का चयन और केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि भाजपा जनवरी तक नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति की तैयारी कर रही है। इससे पहले सोमवार को उज़्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लखनऊ स्थित आवास पर भाजपा और आरएसएस के बीच समन्वय बैठक हुई। तीन घंटे चली इस बैठक में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पर भी चर्चा हुई। माना जा रहा है कि पार्टी इसी हज़्ते नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर सकती है और उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

विज़ मंत्री निर्मला सीतारमण ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री से की मुलाकात

नयी दिल्ली ०४/१२ (संवाददाता) विज़ मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मेंटुरोव के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की जिसमें निवेश, बैंकिंग और विज़ सहित आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। विज़ मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एज़्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत और रूस दोनों ने पांच दिसंबर, 2025 को होने वाले आगामी 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सज़्मेलन से मजबूत परिणामों की उज़्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री ने ब्रिज़्स समूह की आगामी अध्यक्षता के लिए भारत को मजबूत समर्थन दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बृहस्पतिवार शाम को भारत दौरे पर नयी दिल्ली पहुंचे। वह भारत-रूस शिखर सज़्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिरकत करेंगे।आपको बता दें

कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बृहस्पतिवार शाम को दो दिन के दौरे पर नयी दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य लगभग आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करना है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को होने वाली 23वीं भारत-रूस शिखर वार्ता को लेकर बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से आज शाम पुतिन के लिए एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। दोनों नेताओं के बीच होने वाली वार्ता का मुज़्य विषय रक्षा संबंधों को मजबूत करना, भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव से सुरक्षित रखना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों में सहयोग की संभावनाओं की तलाश जैसे मुद्दों पर केंद्रित होगा। इस बैठक पर पश्चिमी देशों द्वारा करीबी नजर रखे जाने की संभावना है। रूसी नेता का नयी दिल्ली का लगभग 27 घंटे का दौरा इसलिए और भी अहम हो गया है ज़्योंकि यह भारत-अमेरिका संबंधों में तेजी से आ रही गिरावट की पृष्ठभूमि में हो रहा है। बैठक के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार के क्षेत्रों सहित कई समझौते होने की उज़्मीद है।

मैं मस्जिद की नींव रखूंगा, कोई रोक नहीं सकता, टीएमसी से निकाले गए हुमायूं कबीर का बड़ा बयान

कोलकाता ०४/१२ (संवाददाता): तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने गुरुवार को देबरा विधायक हुमायूं कबीर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने के बाद निलंबित कर दिया। पार्टी ने उन पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि, अब भी हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने को लेकर अड़े हुए है।मीडिया से बातचीत में हुमायूं कबीर ने कहा कि जब मैंने कहा था कि नींव रखेंगे, तो नींव रखेंगे। सब कुछ बाद में बताया जाएगा।

25 बीघा ज़मीन पर एक इस्लामिक अस्पताल, रेस्ट हाउस, होटल-कम-रेस्टोरेंट, हेलीपैड, पार्क और मेडिकल कॉलेज बनेगा। थोड़ा इंतज़ार करो। चिंता मत करो। आने वाले दिनों में हम ये काम पूरा कर देंगे। उन्होंने तेवर दिखाते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद में और कौन वादे करेगा? हुमायूँ कबीर को कौन रोक सकता है... मैं उन्हें चुनौती दे रहा हूँ। ममता बनर्जी पर निशाना सधाते हुए हुमायूं कबीर ने कहा कि जब वह पहली बार सज़ा में आईं, तो उन्हें 182 सीटें मिलीं। मुझे उनकी ज़रूरत थी। मुझे पार्टी में शामिल किया गया...मेरे साथ 12-13 सालों तक ऐसा ज़्यों किया गया? मुझे पार्टी में ज़्यों शामिल किया गया?...आज, सीएम लोगों से पैसे लेकर जगन्नाथ मंदिर बनवाती हैं, वे दुर्गा पूजा के लिए पैसे देते हैं। मुस्लिम मौलवियों को 3000 रुपये भज़ा दिया जाता है; सभी भज़ों को मिलाकर 54,000 रुपये दिए जा रहे हैं। जबकि समितियों को हर साल 1,10,000 रुपये दिए जाते हैं। वह आरएसएस का काम कर रही हैं।छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। तृणमूल के वरिष्ठ नेता फिरहाद हाकिम ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि कबीर का व्यवहार ऐसे समय में घोर अनुशासनहीनता है।

पुतिन-मोदी की वन कार कूटनीति-पालम से पीएम आवास तक, भारत-रूस की गहरी दोस्ती का नया अध्याय

नयी दिल्ली ०४/१२ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिल्ली के पालम टेज़्निकल एयरपोर्ट से एक ही कार में रवाना हुए। पुतिन भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। वह 5 दिसंबर को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सज़्मेलन में भाग लेंगे। भारत और रूस के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित करने वाले एक दुर्लभ कूटनीतिक कदम के तहत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मानक प्रोटोकॉल तोड़ते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत किया।क्रेमलिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा

विमान रैंप पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत करने का कदम अप्रत्याशित था और रूसी पक्ष को इसकी जानकारी पहले से नहीं दी गई थी। नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पालम हवाई अड्डे से रवाना होने के कुछ ही मिनट बाद दिल्ली में 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर पहुंचे। प्रधानमंत्री आवास पर डिनर का आयोजन किया गया है जिसमें राष्ट्रपति पुतिन-पीएम मोदी शामिल होंगे। यह कदम दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक साझेदारी और घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत पहुंचे। यह भाव उस समय एक गर्मजोशी भरा स्मरण था जब दोनों नेता 1 सितंबर को चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सज़्मेलन में रूसी राष्ट्रपति के ऑरस सीनेट में द्विपक्षीय बैठक स्थल तक कार से गए थे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ यात्रा पर आने के लिए लगभग 10 मिनट तक प्रतीक्षा की। भारत पहुँचने पर पुतिन का औपचारिक स्वागत किया गया, जिसने भारत और रूस के बीच मज़बूत संबंधों को उजागर किया। पुतिन की भारत यात्रा पश्चिमी अलगाव के बावजूद वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के रूस के प्रयासों को उजागर करती है। यह यात्रा वैश्विक राजनीति में भारत के रणनीतिक संतुलन को रेखांकित करती है, जो पश्चिम के साथ संबंधों को संतुलित करते हुए रूस के साथ संबंधों को मज़बूत करेगी। प्रमुख चर्चाओं में यूक्रेन संघर्ष, अफ़ग़ानिस्तान और भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी का विस्तार शामिल हो सकता है।2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण शुरू करने के बाद, 2021 के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा होगी। इस यात्रा में व्यापार, रक्षा सहयोग और ऊर्जा साझेदारी को बढ़ावा देने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस यात्रा के दौरान दिल्ली और मास्को के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उज़्मीद है। यह यात्रा अमेरिका द्वारा भारत पर रूसी तेल खरीदना बंद करने के लिए दबाव बढ़ाने के कुछ महीनों बाद हो रही है।

विविध समाचार

छज़ीसगढ़ में ऑपरेशन जारी, बीजापुर में सुरक्षाबलों ने 18 खूंखार नज़्सलियों को मार गिराया, 3 जवान शहीद

बीजापुर ०४/१२ (संवाददाता): छज़ीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों और नज़्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद बृहस्पतिवार सुबह तक छह और नज़्सलियों के शव बरामद किए गए। इलाके में अभियान अब भी जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही मुठभेड़ में मारे गए नज़्सलियों की संज़्या बढ़कर 18 हो गई है। इस मुठभेड़ में राज्य पुलिस की इकाई जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवानों की भी मृत्यु हुई है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मारे गए 18 नज़्सलियों में से 16 की पहचान खतरनाक माओवादियों के तौर पर हुई है, जिन पर कुल मिलाकर 1.30 करोड़ रुपये का इनाम था। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि करीब 12 घंटे तक रुक-रुक कर हुई गोलीबारी के बाद, बुधवार देर शाम तक 12 नज़्सलियों के शव बरामद किए गए।सुंदरराज ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान के दौरान बृहस्पतिवार सुबह तक छह और शव बरामद किए गए और इसके साथ ही मुठभेड़ में मारे गए नज़्सलियों की संज़्या बढ़कर 18 हो गई, जिनमें नौ महिलाएं भी शामिल हैं। सुंदरराज ने बताया कि अभियान में दंतेवाड़ा और बीजापुर के डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन के जवान शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि यह अभियान इलाके में माओवादियों की पश्चिम बस्तर डिवीजन और पीएलजीए कंपनी नंबर दो की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ बुधवार लगभग नौ बजे भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के तहत कचीलवार-पोटेनार गांव के जंगल में शुरू हुई तथा बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक चली। उन्होंने कहा, हमारे सुरक्षाबलों ने माओवादियों की गोलीबारी का बहादुरी से जवाब दिया, लेकिन दुर्भाग्य से डीआरजी बीजापुर के हमारे तीन बहादुर जवान इस दौरान शहीद हो गए।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मुठभेड़ में जान गंवाने वाले हेड कांस्टेबल मोनू वडाड़ी, कांस्टेबल दुकारू गोंडे और जवान रमेश सोड़ी बीजापुर जिले के निवासी थे। इस दौरान डीआरजी के सहायक उप निरीक्षक समेत दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं।

उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर ले जाया गया है।

अधिकारी ने बताया कि वेल्ला माओवादियों की पीएलजीए (पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी) की कंपनी नंबर दो के कमांडर के तौर पर सक्रिय था और सुरक्षाबलों पर हमलों की कई घटनाओं में शामिल था। उन्होंने कहा कि इन वारदातों में 2020 में सुकमा के मिनपा में हुई घटना भी शामिल है, जिसमें 17 सुरक्षाकर्मियों की मृत्यु हुई थी। वेल्ला के सिर पर आठ लाख रुपये का इनाम था। सुंदरराज ने बताया कि मारे गए 15 अन्य नज़्सली वरिष्ठ कैडर थे और उन पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था, जबकि बाकी दो मारे गए कैडर की पहचान अभी नहीं हुई है।उन्होंने बताया कि मौके से एक लाइट मशीन गन, चार एके-47 राइफल, चार सिंगल लोडिंग राइफल (एसएलआर), एक इंसास राइफल, दो .303 राइफल, चार सिंगल शॉट राइफल, दो बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (बीजीएल) और एक भरमार बंदूक बरामद की गईहै। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, रेडियो, स्कैनर, मल्टीमीटर, हैंड ग्रेनेड, सेज़्टी ज़्यूज़, माओवादी साहित्य, यूनिफॉर्म, मेडिकल वस्तु और दूसरा सामान भी जज़्त किया गया। अधिकारियों का कहना है कि इस साल अब तक छज़ीसगढ़ में मुठभेड़ में 281 नज़्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 252 बीजापुर समेत सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में मारे गए।

वहीं 27 नज़्सली रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत गरियाबंद जिले में मारे गए। राज्य के दुर्ग क्षेत्र के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दो नज़्सली मारे गए। सुंदरराज ने बताया कि जनवरी 2024 से बस्तर क्षेत्र में नज़्सल विरोधी अभियान के दौरान 469 माओवादियों का शव बरामद किया गया, जिनमें कई माओवादी नेता भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों के बीच मजबूत तालमेल की वजह से इलाके में माओवादियों के बचे हुए ठिकानों के खिलाफ अभियान और भी तेज़ तथा असरदार हो गए हैं। अधिकारी ने कहा कि इन कोशिशों का मुज़्य मकसद दूर-दराज के इलाकों को माओवादियों के असर से आजाद कराना, शांति और व्यवस्था को मजबूत करना तथा इलाके में सबको साथ लेकर चलने वाले और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य स्पष्ट है -एक शांतिपूर्ण और नज़्सल-मुक्त बस्तर। मौजूदा परिस्थितियों में माओवादी संगठन पूरी तरह घिर चुका है और अब उसके पास हिंसा छोड़कर मुज़्यधारा में लौटने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं बचा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के साथ, इस साल अब तक राज्य में माओवादी हिंसा में 23 सुरक्षाकर्मी अपनी जान गंवा चुके हैं। इनमें उनके साथ होने वाली मुठभेड़ें भी शामिल हैं। इससे पहले आज बीजापुर पुलिस लाइन में शहीद वाटिका में जान गंवाने वाले तीन जवानों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान स्थानीय विधायक, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और मृत जवानों के परिजन वहां मौजूद थे। इसके बाद, उनके पार्थिव शरीर उनके पैतृक स्थानों पर भेज दिए गए। केंद्र सरकार ने वामपंथी उग्रवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए 31 मार्च, 2026 तक की समयसीमा तय की है।

योगीराज में घुसपैठियों की उल्टी गिनती शुरू, उज़र प्रदेश में रोहिंग्या, बांग्लादेशी खोजे जाएंगे, होगी कार्रवाई

लखनऊ ०४/१२ (संवाददाता): उज़र प्रदेश सरकार ने राज्य भर में कथित रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है और राज्य के हर संभाग में हिरासत केंद्र स्थापित करने के आदेश जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 शहरी स्थानीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध प्रवासियों की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। ये सूचियाँ आगे की जाँच के लिए संबंधित आयुक्तों और महानिरीक्षकों को सौंपी जाएँगी।

मुज़्यमंत्री ने सभी 18 संभागों के संभागीय आयुक्तों और 18 रेंजों के पुलिस महानिरीक्षकों को प्रत्येक संभाग में एक निरोध केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है ताकि अवैध प्रवासियों को उनके निर्वासन तक रखा जा सके। यह निर्देश कुछ दिनों पहले ही उन्होंने सभी

जिलाधिकारियों (डीएम) को घुसपैठियों और अवैध प्रवासियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए थे। इससे पहले, जिलाधिकारियों को जिलों में अस्थायी निरोध केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए थे। आयुक्तों और पुलिस महानिरीक्षकों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान जारी रखने का निर्देश दिया गया है। मुज़्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संबंधित नगर निगमों से सूचियाँ प्राप्त होते ही, आयुक्तों और पुलिस महानिरीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि उनके संभाग या क्षेत्र में सभी अवैध प्रवासियों का पता लगाया जाए, उनका सत्यापन किया जाए और उचित औपचारिकताओं के अनुसार उन्हें निर्वासित करने से पहले हिरासत केंद्रों में रखा जाए।एक सरकारी प्रवक्ता ने पुष्टि की कि 22 नवंबर को मुज़्यमंत्री के निर्देश के बाद से ही ज़िलों में रह रहे/रोज़गार कर रहे अवैध प्रवासियों की पहचान और पता लगाने के लिए ज़िले के डीएम और एसपी अभियान चला रहे हैं। 23 नवंबर को जारी एक बयान में, सरकार ने कहा था कि नेपाल सीमा और प्रमुख शहरी केंद्रों पर कार्रवाई में तेज़ी आई है।

मोदी ने पुतिन के लिए 7 लोक कल्याण मार्ग पर प्राइवेट डिनर होस्ट किया! भारत-रूस के रिश्तों में नए अध्याय की शुरुआत

नयी दिल्ली ०४/१२ (संवाददाता): रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम को दो दिन के स्टेट विज़िट पर नई दिल्ली पहुंचे। यह विज़िट लगभग आठ दशक पुरानी इंडिया-रूस पार्टनरशिप को और बढ़ाएगी। नई दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी ने रशियन लीडर को गले लगाकर रिसीव किया और इंडिया में उनका गर्मजोशी से वेलकम किया।

इसके बाद, दोनों लीडर एक ही कार में सफ़र करके 7 लोक कल्याण मार्ग पहुंचे -- जो प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी का ऑफिशियल घर है। मोदी ने पुतिन के लिए एक प्राइवेट डिनर भी होस्ट किया, जो पिछले साल जुलाई में मॉस्को विज़िट के दौरान इंडियन प्राइम मिनिस्टर द्वारा की गई मेहमाननवाज़ी के बदले में था। मोदी समिट की जगह हैदराबाद हाउस में रूसी लीडर और उनके डेलीगेशन के लिए वर्किंग लंच भी होस्ट करेंगे।

मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, पुतिन सुबह राजघाट भी जाएंगे। समिट के बाद, पुतिन रूस के सरकारी ब्रॉडकास्टर का नया इंडिया चैनल लॉन्च करेंगे, जिसके बाद वह प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सज़्मान में रखी गई सरकारी दावत में शामिल होंगे। रूसी लीडर के शुक्रवार रात करीब 9 बजे भारत छोड़ने की उज़्मीद है। समिट के बाद, पुतिन रूस के सरकारी ब्रॉडकास्टर का नया इंडिया चैनल लॉन्च करेंगे, जिसके बाद वह प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सज़्मान में रखी गई सरकारी दावत में शामिल होंगे। समिट की बातचीत में, नई दिल्ली से उज़्मीद है कि वह भारत द्वारा रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से बढ़ते ट्रेड डेफिसिट को दूर करने पर ज़ोर देगा।

रूस के प्रेसिडेंट का भारत दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब वॉशिंगटन के भारतीय सामान पर 50 परसेंट का भारी टैरिफ लगाने के बाद भारत-स के रिश्ते शायद पिछले दो दशकों के सबसे बुरे दौर से गुज़र रहे हैं, जिसमें नई दिल्ली के रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 परसेंट लेवी भी शामिल है। समिट में भारत के रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिकी प्रतिबंधों के असर पर चर्चा होने की संभावना है।

क्रेमलिन के स्पोज़्सपर्सन दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों को देखते हुए नई दिल्ली की रूस से कच्चे तेल की खरीद थोड़े समय के लिए कम हो सकती है, लेकिन साथ ही, उन्होंने कहा कि मॉस्को सप्लाई बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है। समिट में, पुतिन से क्रू मोदी को यूक्रेन विवाद को खत्म करने के लिए अमेरिका की नई कोशिशों के बारे में बताने की उज़्मीद है। भारत लगातार यह कहता रहा है कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी ही एकमात्र रास्ता है।

मोदी-पुतिन की बातचीत के बाद, दोनों पक्षों के बीच कई एग्रीमेंट होने की उज़्मीद है, जिसमें एक एग्रीमेंट भारतीय वर्कर्स के रूस आने-जाने को आसान बनाने पर और दूसरा डिफेंस कोऑपरेशन के बड़े फ्रेमवर्क के तहत लॉजिस्टिक सपोर्ट पर होगा। पता चला है कि ट्रेड बास्केट के तहत, फार्मा, एग्रीकल्चर, फूड प्रोडज़्ट्स और कंज़्यूमर गुड्स के एरिया में रूस को भारतीय एज़्सपोर्ट में काफी बढ़ोतरी होने की उज़्मीद है। यह कदम रूस के पक्ष में बढ़ते ट्रेड डेफिसिट को लेकर नई दिल्ली की चिंताओं के बीच उठाया गया है।

मौसम का मजा लीजिये-विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र के खिलाफ विरोध किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली ०४/१२ (संवाददाता): दिल्ली-एनसीआर और उज़र भारत के कुछ हिस्सों में वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर स्थित मकर द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन किया। सांसद ऑज़्सीजन मास्क पहने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करने वाले एक बैनर पकड़े हुए दिखाई दिए, जिस पर लिखा था, मौसम का मज़ा लीजिए। बैनर पर यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में दिए गए संबोधन के बाद की गई है, जिसमें उन्होंने यह बात कही थी। नारे लगाते हुए, नेताओं ने वायु प्रदूषण पर संसद में चर्चा की मांग की।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी संसद भवन

के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं।

इससे पहले आज, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने प्रदूषण को लेकर सरकार की आलोचना की और एएनआई को बताया कि विपक्षी सांसद केंद्र का ध्यान आकर्षित करने के लिए विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि बाहर के लोग इसे समझ नहीं सकते... ऐसा लगता है जैसे दिल्ली और कुछ अन्य शहरों को गैस चैंबर में बदल दिया गया है और नागरिकों को वहीं रखा जा रहा है। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। विपक्षी सांसद आज संसद के मकर द्वार पर इस मुद्दे पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे और सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे।

संसद के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर, मनीष तिवारी और विजयकुमार उर्फ ??विजय वसंत ने उज़र भारत में वायु गुणवज़ा पर चर्चा के लिए नोटिस पेश किए। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र से प्रदूषण को राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने का आग्रह किया। टैगोर ने लोकसभा महासचिव को भेजे अपने नोटिस में कहा, सरकार पंगु बनी हुई है, कार्रवाई की बजाय सलाह जारी कर रही है, समाधान की बजाय समितियाँ बना रही है, समन्वित राष्ट्रीय रणनीति की बजाय नारे लगा रही है।

जबकि इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि प्रदूषण से कैंसर, गुर्दे की बीमारी, जठरांत्र संबंधी विकार और मधुमेह जैसी चयापचय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है, यह सरकार प्रदूषण को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकता घोषित करने से इनकार कर रही है।

रेलवे का बड़ा फैसला-तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी का इस्तेमाल, ऐसे मिलेगा कन्फर्म टिकट

नयी दिल्ली ०४/१२ (संवाददाता): आम उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे द्वारा एक ओटीपी-आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली का प्रस्ताव रखा गया था। सबसे पहले, रेलवे ने जुलाई 2025 में ऑनलाइन तत्काल टिकटिंग के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण शुरू किया। दूसरा, बुकिंग के पहले दिन सभी सामान्य आरक्षणों के लिए एक ओटीपी-आधारित ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली अज़्टूबर 2025 में लागू की गई थी। दोनों पहलों को आम उपयोगकर्ताओं द्वारा सफलतापूर्वक अपनाया गया है, जिससे आरक्षण प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित हुई है।

रेलवे ने 17 नवंबर 2025 को आरक्षण काउंटरों पर बुक किए गए टिकटों के लिए ओटीपी-आधारित तत्काल

आरक्षण प्रणाली के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की। अब तक, इस प्रणाली को कुल 52 ट्रेनों तक बढ़ा दिया गया है।

इस प्रणाली के तहत, आरक्षण काउंटर पर तत्काल टिकट बुक करते समय, यात्री को आरक्षण फॉर्म में दिए गए मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी प्राप्त होता है। अगले कुछ दिनों में, काउंटरों पर ओटीपी आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली शेष सभी ट्रेनों के लिए लागू कर दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य तत्काल सुविधा के दुरुपयोग को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि वास्तविक यात्रियों को उच्च मांग वाले टिकटों तक बेहतर पहुँच प्राप्त हो। यह रेलवे टिकटिंग में पारदर्शिता, यात्री सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन सुधारों के समानांतर, भारतीय रेलवे ट्रेन के प्रस्थान से आठ घंटे पहले चार्ट तैयार करने के लिए अपने आरक्षण कार्यप्रवाह में एक महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी कर रहा है। वर्तमान चार घंटे की खिड़की अज़्सर यात्रियों को अनिश्चित बनाती है, खासकर दूरदराज या उपनगरीय स्थानों से यात्रा करने वालों को।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

सर्दियों में बच्चों की सेहत रहेगी चकाचक, खिलाएं ये सुपरफूड्स

सर्दियों में बच्चों की इम्यूनिटी को मजबूत रखना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि बच्चों को ठंड और संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा होता है। सही आहार देकर आप उनकी इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं। आप बच्चे को स्वस्थ और एक्टिव रखने के लिए किसी विकल्प की तलाश में है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताएं कुछ सुपर फूड्स के बारे में जानकारी दे रहे है। आप उनकी डाइट में इन्हे शामिल कर कर ना सिर्फ इम्यूनिटी बूस्ट कर सकते है बल्कि सेहत के अन्य पहलुओं को भी बेहतर बना सकते हैं।

सर्दियों में बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है, ऐसे में आप इन चीजों को खिलाकर आप उन्हें स्वस्थ और एक्टिव बना सकते हैं।

बच्चों की इम्यूनिटी कैसे मजबूत करें?

- बच्चे की डाइट में विटामिन ए और विटामिन सी युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं,जो शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करते है। इसके लिए आप बीटरूट खिला सकते हैं। इसमें विटामिन ए और सी दोनों होते हैं। गाजर, आंवला संतरा कीवी, शकरकंदी, यह सभी इम्यूनिटी बूस्ट करने वाले फल हैं।
- बच्चे को नट्स और सीड्स जरूर दें। यह बेहतरीन पोषण का स्रोत होते हैं। इनमें हेल्दी फैट्स होते हैं जो ना इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं बल्कि शरीर के विकास के लिए भी जरूरी पोषक तत्व प्रदान करते हैं। बादाम और अखरोट खिलाएं। इसके अलावा चिया सीड्स भी खिलाएं। इनमें ओमेगा 3 फैटी एसिड और फाइबर होते हैं। अगर आपके बच्चे की उम्र 3 साल से कम है तो नट्स को भिगोकर उसका छिलका उतार लें, फिर पेस्ट बनाकर डाइट में ऐड करें।
- बच्चों की डाइट में प्रोबायोटिक्स जरूर शामिल करें। इसके लिए दही केफिर फर्मेंटेड फूड्स खिलाएं, इससे इम्यूनिटी मजबूत होती है। पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है।

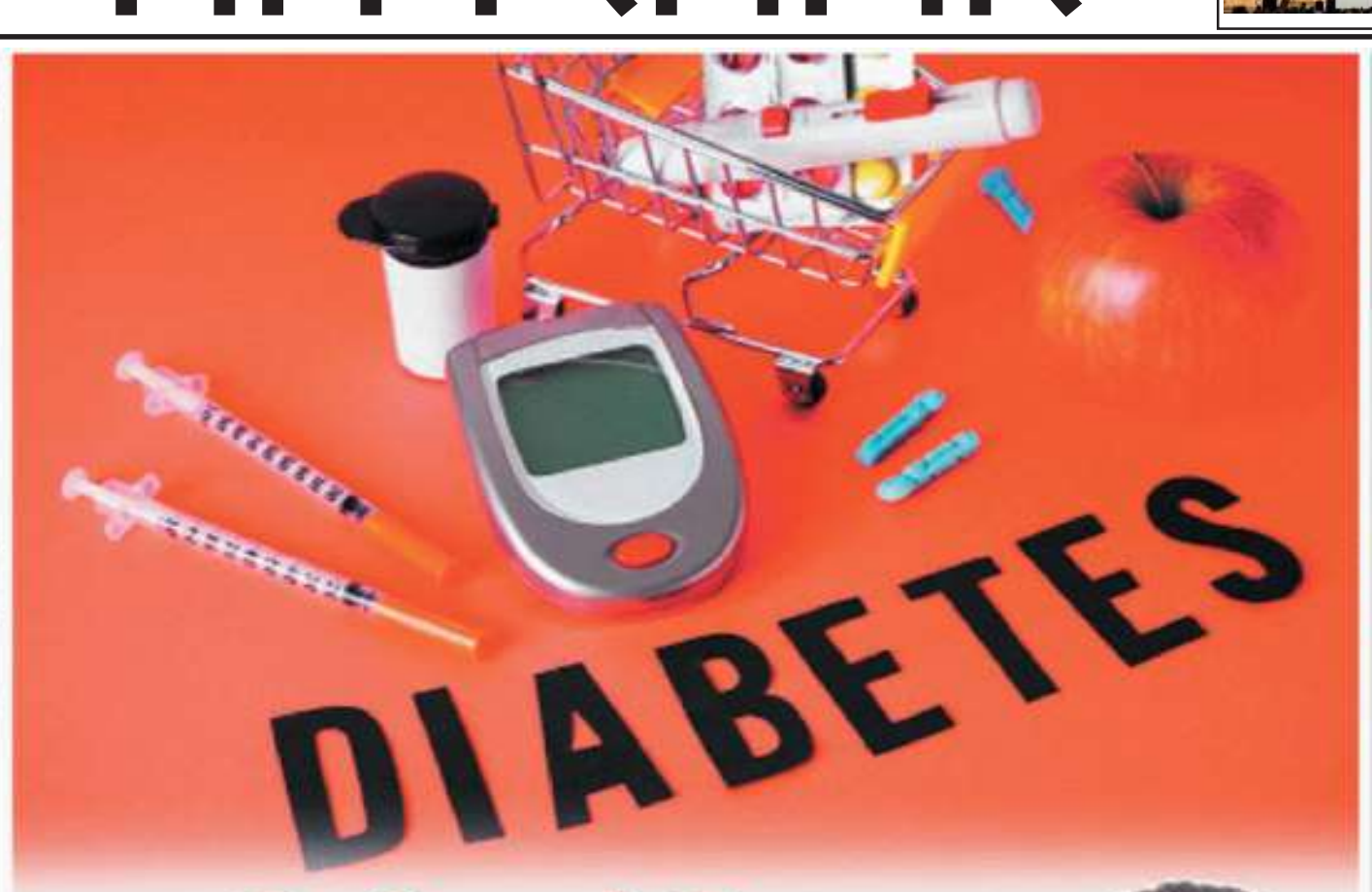

डायबिटीज मेलिटस क्या होता है?

डायबिटीज मेलिटस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है। यह दो मुख्य प्रकारों में पाया जाता है, टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज।

डायबिटीज एक गंभीर रोग है, यह खराब लाइफस्टाइल जीने का परिणाम होता है,यह समस्या तब होती है जब शरीर पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता है याशरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता है, इससे शरीर में ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है जिसके कारण कई तरह की दिक्कतें होने लगती है। आज इस बीमारी के बार में बच्चा बच्चा जानता है, लेकिन क्या आप डायबिटीज मेलिटस के बारे में जानते हैं। आइए जानते हैं क्या होता है डाइबिटीज मिलेटस।

डायबिटीज मेलिटस क्या होता है?

एक्सपर्ट बताते हैं कि जब शरीर में ब्लड शुगर का लेवल बढ़ जाता है तो यह यूरिन के जरिए निकने लगता है, जब ग्लूकोज यूरिन से निकलने लगता है तो उसे कहते हैं ग्लाइकोसुरिया साथ में उसका बैलेंस करने के लिए सेल्स में से वॉटर भी एक्सरीट होता है। इससे शरीर में यूरिन का प्रोड्क्शन बढ़ जाता है जिसे पॉली यूरिया के नाम से जाना जाता है। इस स्थिति में आपको बार-बार यूरिन पास करने की इच्छा होती है। यह डायबिटीज मेलिटस के लक्षण होते है।

कैसें करें बचाव?

- सही लाइफस्टाइल का चुनाव
- नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।
- फाइबर रिच डाइट लें।
- ब्लड शुगर की निगरानी करें

कब पड़ती है इंसुलिन लेने की जरूरत

डायबिटीज एक गंभीर रोग है। इसे बोलचाल की भाषा में शुगर का जाता है। डायबिटीज तब होता है जब आपका शरीर पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है या शरीर इसका उपयोग नहीं कर पाता है। डायबिटीज का कोई परमानेंट इलाज नहीं है। इसे आप सही जीवन शैली और दवाई लेकर करके कंट्रोल में कर सकते हैं। वहीं कुछ कंडीशन में मरीज को इंसुलिन भी दिया जाता है। आइए जानते हैं डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत कब पड़ती है इस बारे में हम जानकारी दे रहे हैं।

डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत कब पड़ती है?

डायबिटीज दो प्रकार की होती है। एक टाइप 1 डायबिटीज है और दूसरा टाइप 2 टाइप 1 डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जब शरीर इंसुलिन का उत्पादन करना पूरी तरह से बंद कर देता है। टाइप 1 डायबिटीज में इंसुलिन लेने की जरूरत होती है, क्योंकि शरीर में नेचुरल रूप से इंसुलिन का निर्माण नहीं हो पता है। यह आमतौर पर बच्चों या युवा लोगों में होता है। बता दे की इंसुलिन एक हार्मोन है जो शरीर में ग्लूकोज यानी कि शुगर के स्तर को नियंत्रित करता है। अगर टाइप 2 डायबिटीज में डायबिटीज कंट्रोल नहीं हो पाता है तब भी इंसुलिन दिया जाता है। इंसुलिन थेरेपी को आमतौर पर तब शुरू किया जाता है जब प्रारंभिक फास्टिंग प्लाजमा ग्लूकोज 250 से अधिक हो या HbAvc 10% से अधिक हो। इंसुलिन आमतौर पर तब आवश्यकता होती है जब रक्त शर्करा का स्तर 200 से ऊपर हो। हालांकि यह निर्णय डॉक्टर पर निर्भर करता है कि इंसुलिन कब शुरू करना है। डॉक्टर आपके रक्त शर्करा के स्तर,लक्षणों और अन्य स्वास्थ्य कारकों को ध्यान में रखते हुए इंसुलिन थेरेपी शुरू करने का निर्णय लेते हैं।

डाइट में शामिल करें इस हरे पत्ते का पानी, मिलेंगे ये फायदे

बथुआ का पानी आपके डाइजेशन को बढ़ाता है, शरीर को डिटॉक्स करता है और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ावा देता है।

साग कई प्रकार के होते है,जिनमें से एक है सर्दियों में मिलने वाला बथुआ का साग,यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे आमतौर पर सब्जी के रूप में खाया जाता है, लेकिन क्या आपको मालूम है कि अगर आप बथुआ साग का पानी पिएं तो आपकी सेहत को कितना लाभ होगा? आइए समझाते हैं बथुआ साग का पानी पीने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

बथुआ का पानी पीने के फायदे

- बथुआ का पानी पीने से सर्दियों में आपकी इम्यूनिटी मजबूत हो सकती है। इसमें विटामिन ए, सी, एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे मौसमी बीमारियों से बचाव होता है।
- इसमें आयरन की भरपूर मात्रा होती है, ऐसे में अगर आपको खून की कमी है तो आप इसका पानी पी सकते हैं, इससे एनीमिया में फायदा हो सकता है। खून की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करता है।
- बथुए का पानी पीने से एसिडिटी कब्ज की समस्या में भी फायदा मिलता है इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है।

बथुआ का पानी कैसे तैयार करें?

- इसे बनाना बहुत ही आसान है, इसके लिए आप बथुआ को 3 से 4 पानी साफ से धो लें।
- अब एक बर्तन में पानी डाल कर बथुआ को उबाल लें
- तैयार है बथुआ का पानी आप इसे गर्म या ठंडा करके पी सकते हैं।

टूटे नाखून से लेकर रूखी हथेलियों तक, इन जरूरी चीजों की कमी का संकेत दे सकते हैं आपके हाथ

जब भी हमारे शरीर में किसी न्यूट्रिएंट्स की कमी होती है या शरीर में किसी बीमारी की शुरुआत होती है, तो इसके लक्षण साफ नजर आने लगते हैं। अगर आप इन लक्षणों को समय पर पहचान लें, तो आने वाले वक्त की मुश्किलों से बचा जा सकता है। आपके हाथ भी कई जरूरी चीजों के बारे में बताते हैं। नाखूनों का जल्दी टूटना, नाखूनों का पीला होना और भी कई चीजें, शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी का संकेत देती हैं।

सेहतमंद रहने के लिए, शरीर के सभी अंगों का ठीक से काम करना और शरीर में सभी विटामिन्स, मिनरल्स और हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। जब भी हमारे शरीर में किसी बीमारी के पनपने की शुरुआत होती है या किसी जरूरी न्यूट्रिएंट की कमी होती है, तो इसके कुछ लक्षण शरीर में नजर आने लगते हैं। कमजोरी महसूस होना, हमेशा थकान रहना, डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें या शरीर में दर्द रहना, ये कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज करते हैं। लेकिन, असल में ये चीजे सेहत से जुड़ी जरूरी जानकारी देती हैं। हमारे नाखून और हाथ भी सेहत से जुड़े कई इशारे करते है, जिन्हें समझकर अगर हम अपने डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करें, तो हम सेहतमंद रह पाएंगे। हमारे हाथ सेहत के बारे में क्या कुछ कहते हैं और शरीर में किन जरूरी न्यूट्रिएंट की कमी का इशारा करते हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

- एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आपने नाखून क्रैक हैं यानी बीच-बीच में टूटे हुए हैं, तो शरीर में विटामिन बी7 (बायोटिन), विटामिन बी12 और कैल्शियम की कमी हो सकती है। इसकी वजह से नाखून कमजोर होने लगते हैं।
- अगर आपके नाखून पीले हो रहे हैं, तो आपको इस पर खास ध्यान देने की जरूरत है। पीले नाखून, शरीर में आयरन की कमी यानी एनीमिया और लिवर के ठीक तरह से काम न करने को दिखाते हैं। अगर आपके नाखून अधिक पीले हैं, तो यह पीलिया का संकेत भी हो सकता है।
- सर्दियों में हाथों में रूखापन आम बात है। लेकिन, अगर आपके हाथ हमेशा ड्राई करते हैं, तो शरीर में हार्मोनल इंबैलेंसका संकेत हो सकता है। इसका मतलब है आपके शरीर में एस्ट्रोजन की कमी हो सकती है।
- अगर आपके हाथ बहुत अधिक ठंडे रहते हैं, तो यह शरीर में खून की कमीका संकेत हो सकता है। यह हाइपोथायराइड या लो थायराइड फंक्शन का भी संकेत हो सकता है।
- अगर आपके हाथ अक्सर कांपते रहते हैं, तो यह विटामिन-बी 12 की कमी या हाइपोथायराइड का संकेत हो सकता है।
- अगर आपकी उंगलियों या हाथों के ज्वाइंट्स में दर्द होता है, तो इसके पीछे शरीर में एस्ट्रोजन या कैल्शियम की कमी हो सकती है।
- अगर आपको हथेलियों पर पीले धब्बे नजर आए, तो यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़े होने का संकेत हो सकता है। यह लिवर के ठीक से काम न करने का संकेत भी हो सकता है।
- जिन लोगों को हाथों में सुई चुभती हुई महसूस होती है, उनके शरीर में विटामिन-बी की कमी हो सकती है।
- अगर आपके नाखूनों पर लाइने नजर आ रही है, तो यह जिंक या आयरन की कमी का संकेत हो सकता है। इसकी वजह से नाखूनों पर सफेद पैचेज भी नजर आ सकते हैं।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शुक्रवार 05 दिसंबर 2025

बीएलओ की आत्महत्या चिंताजनक

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विवाद खत्म होने की जगह अब घातक होता जा रहा है। एसआईआर पर विपक्ष की आपत्ति को कुछ पल के लिए अलग रखें तो भी इस समूची प्रक्रिया में पूरे देश में अब तक 25 बीएलओ की मौतें सचमुच चिंता पैदा करने वाली हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के मुताबिक 34 मौतें हो चुकी हैं। अब आंकड़ें जो भी हों, अगर एक भी बीएलओ की मौत इस वजह से होती है कि उस पर एसआईआर करवाने का दबाव था या चुनिंदा लोगों के नाम काटने के लिए उसे धमकाया जा रहा था, तो यह एसआईआर की प्रक्रियागत खामी की ओर इशारा करती है। जिस पर तत्काल संज्ञान लेने की जरूरत है। गुजरात, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश इन तमाम राज्यों में भाजपा सरकारें हैं जो पूरी तरह से एसआईआर के समर्थन में है, क्या इन राज्य सरकारों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा कि उनके राज्य में इस तरह अकाल मौतें हो रही हैं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस सभी दल ऐसी मौतों पर अब चिंता जता रहे हैं। अभी गोंडा में ही एक मामला सामने आया है, जिसमें अपनी शादी से एक दिन पहले बीएलओ विपिन यादव ने आत्महत्या कर ली। विपिन यादव के परिवार का कहना है कि एसडीएम और लेखपाल एसआईआर में ओबीसी वोटरों के नाम काटने का दबाव बना रहे थे। विपिन यादव ने ऐसा करने से मना किया तो उन्हें नौकरी से निकालने और पुलिस से उठवाने की धमकी दी गई। परिवार का आरोप है कि विपिन यादव से कहा गया था कि ओबीसी वोटरों के नाम काटो वरना नौकरी खत्म कर दी जाएगी। जिसके बाद विपिन यादव ने आत्महत्या कर ली। यह मामूली आरोप नहीं है और इसकी गहन जांच की जरूरत है। कांग्रेस ने इस पर लिखा भी है कि ज्ञानेश कुमार और नरेंद्र मोदी लोकतंत्र को खत्म करने पर लगे हैं और एसआईआर उसी का औजार है। ज़्यादा जानें पेपर विविध विषय पॉडकास्ट राजनीतिक चर्चा मंच युवा विशेष सामग्री अखबार बजट 2019 विश्लेषण खेल समाचार अपडेट राजनीतिक विश्लेषण बॉलीवुड समाचार संग्रह समाचार पत्र ज़्यादा जानें मनोरंजन समाचार आर्थिक समाचार बुलेटिन बजट विश्लेषण सेवाएं क्षेत्रीय समाचार पत्र युवा विशेष सामग्री विविध समाचार साक्षात्कार संग्रह ई-पेपर सदस्यता कविता संग्रह पुस्तकें ई-पेपर एक्सेस वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लिखा है कि ओबीसी वोटरों के नाम काटो, वरना नौकरी चली जाएगी। दबाव, धमकी और नतीजा? आखिर में आत्महत्या। एसआईआर के नाम पर पिछड़े-दलित-वंचित-गरीब वोटरों को लिस्ट से हटाकर भाजपा अपनी मनमाफ़िक वोटर लिस्ट तैयार कर रही है। चुनाव आयोग लोकतंत्र की हत्या की ज़ि मेदार है। ममता बनर्जी ने भी चुनाव आयोग पर इस प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं और उसे भाजपा के पक्ष में काम करने के लिए घेरा है। जिस पर भाजपा नेताओं ने कहा है कि ममता बनर्जी अपनी हार के बहाने बता रही हैं। इसी तरह अखिलेश यादव भी बीएलओ की मौतों पर मुआवजे की मांग कर रहे हैं और यह भी बता रहे हैं कि किस तरह इंडिया गठबंधन की जीती हुई सीटों पर वोट काटने की तैयारी हो रही है, तो भाजपा उनकी भी आलोचना कर रही है। यह प्रवृत्ति स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है। विपक्ष के पास अभी कम राज्य हैं, या भाजपा की तुलना में उसका जनाधार कम है, तो इससे उसका राजनैतिक महत्व कम नहीं हो जाता। याद रहे कि लोकसभा में भाजपा खुद के बूते बहुमत हासिल नहीं कर पाई, क्योंकि विपक्ष उस पर भारी पड़ गया। अगर विपक्षी नेता किसी मुद्दे पर ध्यान दिला रहे हैं तो सरकार का काम है कि उसे पूरी ईमानदारी से सुने। सरकार की तरह चुनाव आयोग की भी जि मेदारी है कि वह अपनी निष्पक्षता का यकीन सारे दलों को दिला पाए। फिलहाल लगता है कि चुनाव आयोग को विपक्ष के संदेहों से कोई फर्क नहीं पड़ता। एसआईआर की समय सीमा में संशोधन न्यायपालिका से भी यही अपेक्षित है कि वह बीएलओ की अकाल मौतों का स्वत- संज्ञान ले। अभी सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच एसआईआर की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

भारत-रूस संबंधों में नया रणनीतिगत बदलाव

के रवींद्रन शिखर

स मेलन में होने वाली चर्चाओं में बड़ी आर्थिक संभावनाओं पर भी बात होने की संभावना है, भले ही रक्षा और ऊर्जा सुर्खियों में छाए रहें। दोनों देशों के बीच व्यापार के आंकड़ों में पहले वृद्धि में तेज़ी दिखी, फिर कुछ समय के लिए ठहराव भी आया, जो लगातार बढ़ोतरी को अनलॉक करने के लिए ढांचागत दखल की ज़रूरत को दिखाता है। राजनीतिक इरादे और आर्थिक व्यावहारिक सोच का बढ़ता मेल भारत-रूस रिश्ते को नई र तार दे रहा है, जिससे नई दिल्ली में होने वाला शिखर स मेलन एक ऐसी भागीदारी में एक अहम पल बन रहा है जिसने पहले ही दशकों के भूराजनीतिक बदलावों को झेला है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दौरा, जिसे %स्पेशल और प्रिविलेज्ड पार्टनरशिप% (विशेष और तरजीही भागीदारी) की शब्दावली में बताया गया है, दोनों तरफ़ से एक ऐसे एजेंडा को आगे बढ़ाने की इच्छा का संकेत देता है जो अब पहले की रुकावटों तक सीमित नहीं है और अब सिर्फ पुरानी मजबूरियों से बना नहीं है।

जबकि पिछले साल ज़्यादातर बातचीत में तेल ही हावी रहा,वैश्विक ऊर्जा बाजार में हो रहे बदलाव और वाशिंगटन में चल रही बातचीत ने हाइड्रोकार्बन को लेकर दबाव कम कर दिया है, जिससे नई दिल्ली और मॉस्को अपना ध्यान रक्षा सहयोग और बड़े रणनीतिगत संबंधों पर केन्द्रित कर पा रहे हैं। इस बदलाव को मुमकिन बनाने वाला एक बड़ा बदलाव क्रूड सप्लाई को लेकर उ मीदों का पुनर्समायोजन है। वैश्विक तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भारत की ऊर्जा टोकरी की बदलती बनावट ने ऐसा माहौल बना दिया है, जहां रूसी हेवी क्रूड बनाम अमेरिकी लाइट क्रूड को लेकर टकराव अब ज़रूरी नहीं रहा। भारत की कई अन्य आपूर्तिकर्ताओं से आयात संतुलित करने की क्षमता, और खरीदे जाने वाले तेल के ग्रेड के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा की कमी ने, वाशिंगटन और मॉस्को के साथ उसकी भागीदारी के बीच टकराव की गुंजाइश कम कर दी है। बदले में, इसने भारत के राजनयिक बैंडविड्थ से एक बड़ा बोझ कम कर दिया है, जिससे नीति योजनाकार रूस के साथ सहयोग के पुराने तरीकों पर फिर से विचार कर सकते हैं और किसी दूसरे भागीदार को नाराज़ करने की चिंता किए बिना नए तरीके खोज सकते हैं।

इस बदलाव से बनी जगह खास तौर पर रक्षा सहयोग में साफ़ दिखती है, जो लंबे समय से भारत-रूस समीकरण का सबसे अहम हिस्सा रहा है। दोनों सरकारों ने माना है कि रक्षा संबंधों को गहरा करना दिल्ली शिखर स मेलन का केन्द्र होगा। उ मीद है कि चर्चा पारंपरिक खरीदार-बिक्रीकर्ता गत्यात्मकता से आगे बढ़ेगी, जिसने शीतयुद्ध काल के बाद से सैन्य संबंधों को आकार दिया है। भारत, जो अब रक्षा उत्पान में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए अपनी कोशिशों में ज़्यादा ज़ोर दे रहा है, ऐसे मॉडल खोज रहा है जिनमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त विनिर्माण और साइबर क्षमताओं, स्पेस आधारित संपदा और एडवांस्ड प्रोपल्शन सिस्टम जैसे उभरते हुए क्षेत्र में लंबे समय तक सहयोग शामिल हो।

मॉस्को, अपनी तरफ से, भारत को एक भरोसेमंद भागीदार के तौर पर बनाए रखने में फ़ायदा देखता है, ऐसे समय में जब उसके अपने रणनीतिगत माहौल पर काफ़ी दबाव पड़ा है। पश्चिमी पाबंदियों और बदलते क्षेत्रीय गठबंधनों ने रूस को अपने आर्थिक और राजनीतिक जुड़ावों में विविधता लाने के लिए मजबूर किया है। भारत का बड़ा बाज़ार, इसका बढ़ता रक्षा औद्योगिक आधार और इसका भूराजनीतिक वजन रूस को स्थिरता और मौका दोनों देते हैं। आने वाला शिखर स मेलन इन मेलजोल को मज़बूत करने का एक रास्ता देता है, मौजूदा संबंधों और उत्पादनों पर काम करते हुए भविष्य के ऐसे रास्ते बताता है जो साझा रणनीतिगत गणना को दिखाते हैं।

इन बातों का नई दिल्ली की विदेश नीति के लिए भी बड़े असर हैं। रणनीतिगत स्वायत्तता पर भारत का लंबे समय से ज़ोर, बदलते वैश्विक शक्ति ढांचा द्वारा लगातार जांचा जा रहा है। अमेरिका-चीन तनाव के बदलते हालात, अन्तरराष्ट्रीय प्रणाली में रूस की बदलती स्थिति और पश्चिम एशिया को आकार दे रही अनिश्चितताओं ने भारत की राजनयिक फुर्ती पर नई मांगें खड़ी कर दी हैं। इस माहौल में, रूस के साथ एक मजबूत भागीदारी बनाए रखने से कई मकसद पूरे होते हैं- यह भारत की पैंतरेबाज़ी की आज़ादी बनाए रखने में मदद करता है, इसके रक्षा प्रदर्शन में विविधता पक्का करता है और दूसरी बड़ी ताकतों के साथ बातचीत में फ़ायदा देता है। इनमें से कई गणनाओं के साथ ऊर्जा सुरक्षा जुड़ी हुई है। भारत की विविधिकरण रणनीति का मतलब है कि कोई भी एक देश इसके आपूर्ति स्रोत पर हावी नहीं है, लेकिन रूस एक अहम भूमिका निभाता रहा है।

इसका हेवी क्रूड भारत के रिफाइनिंग इकोसिस्टम में सटीक बैठता है, जबकि अमेरिकी लाइट क्रूड लोच और माप की अधिकता देता है। जैसे-जैसे वैश्विक बाजार ओपेक के व्यवहार में बदलाव, गैर-ओपेक आपूर्ति के विस्तार और कमोडिटी के बहाव को प्रभावित करने वाली बड़ी अस्थिरता के हिसाब से एडजस्ट कर रहे हैं, भारत के आयात प्रोफ़ाइल में रूसी और अमेरिकी क्रूड के बीच टकराव की कमी दोनों भागीदार के साथ समानांतर स बंध कायम रखने के लिए जगह देती है। इसने न केवल भूराजनीतिक जोखिमों को कम किया है, बल्कि भारत की ऊर्जा राजनयिकता को आगे बढ़ाने की क्षमता को भी गहरा किया है जो व्यावहारिक और लचीली दोनों है। शिखर स मेलन में होने वाली चर्चाओं में बड़ी आर्थिक संभावनाओं पर भी बात होने की संभावना है, भले ही रक्षा और ऊर्जा सुर्खियों में छाए रहें। दोनों देशों के बीच व्यापार के आंकड़ों में पहले वृद्धि में तेज़ी दिखी, फिर कुछ समय के लिए ठहराव भी आया, जो लगातार बढ़ोतरी को अनलॉक करने के लिए ढांचागत दखल की ज़रूरत को दिखाता है। कनेक्टिविटी की दिक्कतें, निर्यात की टोकरी में सीमित विविधता और नियामक अवरोधों ने पारंपरिक रूप से तरक्की में रुकावट डाली है। मौजूदा माहौल में, जहां सप्लाई चेन की जोखिमों को कम कर उसे बेहतर बनाना वैश्विक प्राथमिकता बन गयी है, भारत और रूस द्विपक्षीय व्यापार को स्थिर करने के तरीके खोज सकते हैं। इसमें फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, खनिज संसाधन और नाभिकीय प्रौद्योगिकी में सहयोग को बढ़ाना शामिल हो सकता है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां पहले से ही स पूरक चीज़ें मौजूद हैं। इसके अलावा, जिस भूराजनीतिक पृष्ठभूमि में यह शिखर स मेलन हो रहा है, वह दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रकृति तय कर रहा है।

भारत की पश्चिमी भागीदारी और रूस के साथ अपनी पार परिक दोस्ती के बीच लगातार संतुलन बनाना एक बारीक काम है। नई दिल्ली ने बड़ी ताकतों के ध्रुवीकरण में फंसने से बचने के बजाय, अपने रणनीतिगत हितों को आगे बढ़ाने के लिए कई कर्ताधर्ताओं के साथ अपने रिश्तों का फायदा उठाया है। वॉशिंगटन में तेल से जुड़े तनाव में कमी ने इस संतुलन के काम में आत्मतोष की एक परत को कम कर दिया है। इससे भारत मॉस्को के साथ शिखर स मेलन में ज़्यादा आत्मबल के साथ जा सकता है, यह जानते हुए कि वह दूसरे भागीदारों के साथ रिश्तों में तनाव डाले बिना अपने संबंधों को बचा सकता है। रूस भी भारत के बढ़ते प्रोफाइल मूल्य को पहचानता है। बहुपक्षीय मंचों में इसकी भूमिका, इसकी बढ़ती अर्थव्यवस्था और इसकी बढ़ती रक्षा क्षमता, ये सभी मॉस्को की रणनीतिगत गणना में हिस्सा लेते हैं। यह शिखर स मेलन क्रेमलिन को लंबे समय से चली आ रही अच्छी नीयत को और मज़बूत करने का मौका देता है, साथ ही दूसरे वैश्विक कर्ताधर्ताओं को यह सिग्नल भी देता है कि रूस अपने आस-पड़ोस के अलावा भी भागीदारी में आगे है। मॉस्को के लिए, भारत के साथ मज़बूत रिश्ते बनाए रखना किसी एक भागीदार पर बहुत ज़्यादा निर्भरता से जुड़े जोखिमों को कम करने का भी एक तरीका है। रिश्ते का महत्वपूर्ण कारक पहलू है -भरोसा, विश्वसनीयता और राजनीतिक सुविधा, जो शिखर स मेलन के आस-पास की र तार को बनाए रखने वाला एक मज़बूतकारक बना हुआ है। वैश्विक ढांचे में बदलाव और अमेरिका तथा यूरोप के साथ भारत के करीबी जुड़ाव के बावजूद, नई दिल्ली और मॉस्को के बीच भागीदारी की ऐतिहासिक भावना खत्म नहीं हुई है। शिखर स मेलन के लिए अपनाई गई शब्दावली, जिसमें %स्पेशल और प्रिविलेज्ड पार्टनरशिप (विशेष और तरजीही भागीदारी) पर ज़ोर दिया गया है, सिर्फ रस्मी नहीं है। यह दशकों के सहयोग से बने रिश्ते को दिखाता है, एक ऐसा रिश्ता जिसे दोनों देश उन वजहों से महत्व देते हैं जो पारंपरिक संबंधों को रणनीतिगत तार्किकता के साथ मिलाती हैं।

मोबाइल का साथी या आस्तीन का सांप

सर्वमित्रा सुरजन

दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों में इस तरह की डिजिटल जासूसी के खिलाफ कड़े कानून हैं, लेकिन यहां तो मांझी ही नाव डुबोने वाले बने हुए हैं। वैसे इस फैसले पर अब बड़ी फोन निर्माता कंपनियां भी सहमत नहीं हैं। ऐप्पल अपने स्मार्टफोन में सरकारी साइबर सुरक्षा ऐप प्रीलोड करने के आदेश का पालन करने की योजना नहीं बना रहा है। खबर है कि वह अपनी चिंताओं से भारत सरकार को अवगत कराएगा। मोदी सरकार तानाशाही कायम करने के नित नए तरीके ईजाद कर रही है। और यह काम इतनी चालाकी से किया जा रहा है कि जनता को लगता है कि सब उसके भले के लिए है। जहरीली हवा में सांस लेते और जहरीला पानी पीते हुए भी जनता जब प्रधानमंत्री को यह कहते सुनती है कि मौसम का मज़ा लीजिए, तो उसे लगता है कि सांसें गिरवी रख देना ही राष्ट्रधर्म है। चीन के बाद नेपाल भी भारत के इलाकों पर अपना कब्जा दिखा चुका है, लेकिन जब मोदी कहते हैं कि ये नया भारत है, जो झुकता नहीं है, तो जनता गलवान से लेकर पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर तक सब भूल जाती है। विपक्षी दलों पर वंशवाद का आरोप लगाते हुए मोदी जब खुद बीजेपी और सहयोगी दलों में बेटे-बेटियों और रिश्तेदारों को आगे बढ़ाते हैं तो जनता को यह राजनैतिक चातुर्य लगता है। ऐसे दर्जनों उदाहरण पेश किए जा सकते हैं, जिसमें मोदी की कथनी और करनी में जमीन-आसमान जैसा अंतर दिखाई देता है। लेकिन जनता फिर भी भ्रमित हो चुकी है, क्योंकि मोदी के प्रचार तंत्र ने जमीन-आसमान के अंतर को उस क्षितिज की तरह पेश किया है, जहां जमीन-आसमान मिलते हुए दिखाई देते हैं।

रेगिस्तान में पानी की तलाश में भटकते मृग की तरह जनता की हालत हो चुकी है। यह सब प्रचारतंत्र की बाजीगरी है। बहुत पहले जब देश में शुद्ध देसी घी ही खाया जाता था, तब वनस्पति घी बेचने के लिए बाजारों में मु त के पकवान परोसे जाते थे। बेचने और ठगने का यही तरीका अब राजनीति में इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन इसमें जनता केवल ठगा नहीं रही है, बल्कि राजनीति के चौपड़ में लोकतंत्र को दांव पर लगा रही है। कुरुसभा की तरह संवैधानिक संस्थाएं आंख पर पट्टी बांधे या देखे को अनदेखा कर जुए के इस तमाशे का मजा ले रही हैं।

इस जुए में अब मोदी सरकार ने लोगों के मोबाइल सेट के जरिए जासूसी का पांसा फेंका है। वो भी बेहद लुभावने नाम के साथ। संचार साथी ऐप, नाम से लगेगा हमारा कोई साथी है, यानी सुख-दुख में साथ देने वाला। लेकिन ये साथी तो असल में आस्तीन का सांप बनेगा, जो कब डसेगा कहा नहीं जा सकता। सबसे अच्छा स्मार्टफ़ोन सरकार ने पिछले सप्ताह मोबाइल हैंडसेट निर्माताओं को निर्देश दिया है कि भारत में इस्तेमाल के लिए बनाए या आयात किए गए सभी नए मोबाइल हैंडसेट में 90 दिनों के भीतर संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल हो जाए। दूरसंचार विभाग के निर्देश में अनिवार्य किया गया है कि भारत में इस्तेमाल के लिए लक्षित मोबाइल हैंडसेट के सभी निर्माताओं और आयातकों को जारी होने की तारीख से 120 दिनों के भीतर विभाग को अनुपालन रिपोर्ट जमा करनी होगी। इसमें आगे चेतावनी दी गई है कि अनुपालन में विफल रहने पर दूरसंचार अधिनियम, 2023, दूरसंचार साइबर सुरक्षा नियम, 2024, और अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई होगी। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और विभाग द्वारा संशोधित या वापस लिए जाने तक लागू रहेगा।

इस आदेश के मुताबिक स्मार्टफ़ोन निर्माताओं को मार्च 2026 से बेचे जाने वाले नए मोबाइल फ़ोन में संचार साथी ऐप को प्री-इंस्टॉल करना होगा। साथ ही पुराने फ़ोनों में इसे सॉ टवेयर अपडेट के ज़रिए भेजा जाएगा। यानी जब आप अपने स्मार्ट फोन का सॉ टवेयर अपडेट करेंगे तो यह ऐप अपने आप फोन पर आ जाएगा। यह पहली बार है जब देश में किसी ऐप को इस तरह से हर डिवाइस में स्थायी रूप से रहने की अनुमति दी गई है। हालांकि इस कदम का व्यापक विरोध शुरु हुआ और इसे बिग बॉस की तरह लोगों के निजी जीवन में तांक-झांक करने वाला करार दिया गया तो सरकार ने दावा किया कि ऐसा साइबर सुरक्षा के मद्देनजर किया जा रहा है ताकि साइबर क्राइम को रोका जा सके। हालांकि विपक्षी दलों का कहना है कि जिस तरह सरकार ने इजरायली सॉ टवेयर पेगासस के जरिए चोरी-छिपे जासूसी कराई थी, वही जासूसी अब ऐलान के साथ करने का दुस्साहस सरकार ने दिखाया है। इसे सीधे-सीधे तानाशाही करार दिया जा रहा है। हमेशा की तरह सरकार ने इस बार भी इसमें किसी से सलाह-मशविरा जरूरी नहीं समझा। बस एक आदेश जारी कर दिया।

जब विरोध के सुर तेज हुए तो दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसे साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए एक वैकल्पिक मोबाइल एप्लिकेशन बताते हुए कहा कि उपयोगकर्ता इसे अपने फोन से हटाने के लिए स्वतंत्र हैं। सिंधिया ने कहा अगर आप इस ऐप का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, तो रजिस्टर मत करो और डिलीट करना है तो डिलीट कर लो। लेकिन देश में हर व्यक्ति को नहीं मालूम कि ये ऐप फ्रॉड से बचाने, चोरी से बचाने के लिए है। हर व्यक्ति तक ये ऐप पहुंचाना हमारी ज़ि मेदारी है।

अब सिंधिया जी को कौन याद दिलाए कि जि मेदारियां तो आपकी सरकार पर और भी ढेर सारी हैं, पहले उन्हें पूरा कर लें। और जैसे हर व्यक्ति को नहीं मालूम कि ये ऐप फ्रॉड से बचा सकता है, उसी तरह हर व्यक्ति को नहीं मालूम कि ये ऐप हटाया भी जा सकता है। वैसे भी सिंधिया की बात को उनके ही मंत्रालय का दूरसंचार (टेलीकॉम साइबर सुरक्षा) नियम, 2024 नकारता है। इस नियम के तहत दिए गए निर्देश का खंड 7(बी) कहता है- सुनिश्चित करें कि प्री-इंस्टॉल किया गया संचार साथी एप्लिकेशन पहले इस्तेमाल या डिवाइस सेटअप के समय अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए आसानी से दिखे और सुलभ हो। इसकी कार्यक्षमताओं को अक्षम या प्रतिबंधित न किया जाए। इस निर्देश से साफ है कि मंत्रालय ने ऐप को हटाने पर रोक लगाई है। तो लोग मंत्रालय के निर्देश मानें या मंत्री की मुंहजुबानी बात पर यकीन करें। डिजिटल अधिकार वकालत संगठन, इंटरनेट फ्रीडम फ़ाउंडेशन (आईएफएफ) ने सिंधिया की टिप्पणियों का खंडन करते हुए कहा है कि स्पष्टीकरण गलत है% और आधिकारिक निर्देश स्पष्ट रूप से कहता है कि संचार साथी को %अक्षम या प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है%। आईएफएफ ने यह भी कहा है कि पर्सनल डिजिटल डिवाइस पर सरकारी कंट्रोल का तेज़ी से बढ़ना बहुत चिंता की बात है। ऐसे फैसले कानूनी तौर पर कमज़ोर हैं, और यूज़र की निजता के लिए खतरनाक है। सरकार का यह आदेश संविधान के भी खिलाफ है। संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार डिजिटल और टेलिकॉम से जुड़े फ़ैसले केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन साइबर अपराध को रोकना राज्यों की ज़ि मेदारी है। जब केंद्र और राज्य दोनों के अधिकार अलग-अलग हैं, तो कोई नया नियम बनाने से पहले राज्यों और आम लोगों से सलाह-मशविरा क्यों नहीं किया गया? यह एक बड़ा सवाल है। बता दें कि भारत में डेटा प्रोटेक्शन क़ानून 2023 में साफ़ लिखा है कि किसी भी तरह का व्यक्तिगत डेटा लेने के लिए सहमति ज़रूरी है। लेकिन यहां तो सरकार बिना यूज़र की मर्जी के उसके फोन में घुसने की कोशिश कर रही है। फोन में क्या रहेगा और क्या नहीं, यह तय करने का अधिकार हमारी निजी स्वतंत्रता का हिस्सा है। ऐसे में, अगर संचार साथी ऐप को फोन से हटाने का विकल्प नहीं मिलेगा तो यह यूज़र की निजता, स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ माना जा सकता है।

सबसे अच्छा स्मार्टफ़ोन

यह बताने की जरूरत नहीं कि मोबाइल फ़ोन सबकी पर्सनल स्पेस होती है। एक घर के सदस्य ही एक-दूसरे से अपने मोबाइल फोन के पासवर्ड साझा नहीं करते हैं। भले कुछ छिपाने को न हो, फिर भी एक-दूसरे के फोन पर झांकना बदतमीजी समझा जाता है। क्योंकि यहां निजी बातें होती हैं, कई जरूरी नोट्स संभाल कर रखे जाते हैं। यादगार तस्वीरें होती हैं। जैसे पहले लोग डायरी लिखते थे और किसी की डायरी पढ़ना खराब आदत मानी जाती थी, वही व्यवहार अब मोबाइल के साथ हो चुका है। ऐसे में संचार साथी ऐप मोबाइल में होने के बाद खतरा बना रहेगा कि यह ऐप हमारे फ़ोन की फ़ाइलें, फ़ोटो या मैसेज देख लेगा या भविष्य के किसी अपडेट में ऐसा कर सकता है। अभी भले ही सरकार इसे डिजिटल सुरक्षा का औजार बता रही है, लेकिन असल में इसी औजार से सबसे ज्यादा सेंध लगने का खतरा रहेगा, ऐसा जानकार मान रहे हैं। संचार साथी ऐप से अनेक प्रकार का डेटा सरकार के पास आएगा और आज की तकनीकी क्षमता वाली पूंजीवादी राजनीति में डेटा ही सबसे बड़ी संपत्ति किसी देश के लिए बन चुका है।

विविध समाचार

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने अपने पार्षदों के साथ वार्डों में किया बूथ स्तरीय निरीक्षण

कवर्धा ०४/१२ (संवाददाता): नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने अपने पार्षदों के साथ नगर के विभिन्न वार्डों के बूथों का निरंतर दौरा कर रहे हैं। दौरे के दौरान उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर्स से मुलाकात कर मतदाता सूची के शत-प्रतिशत परीक्षण एवं पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए निर्देश दिए है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची में नाम आवश्यक-चंद्रप्रकाश निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती हर पात्र व्यक्ति के मतदाता सूची में दर्ज होने से होती है। नगर के किसी भी पात्र नागरिक का नाम छूटना नहीं चाहिए। बूथ स्तर पर सक्रियता और पारदर्शिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में प्रत्येक बूथ को 100त्न मतदान जागरूकता का लक्ष्य बनाकर कार्य करना होगा, जिससे लोकतांत्रिक प्रणाली सुदृढ़ हो सके।नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि लोकतंत्र की सशक्तता का आधार सटीक मतदाता सूची है। हर पात्र नागरिक का नाम सूची में दर्ज होना आवश्यक है ताकि कोई भी व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्धारित समय-सीमा में संचालित किया जाएगा। उन्होंने पार्षदों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने वार्डों में नागरिकों को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति जागरूक करें और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का नाम जुड़वाने में सहयोग दें। समस्याओं का किया निराकरण इस दौरान नगर के अनेक नागरिकों ने मतदाता सूची से संबंधित अपने प्रपत्र एवं समस्याएं भी प्रस्तुत कीं, जिनका तत्काल निराकरण किया गया। बीएलओएस को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि नए पात्र मतदाता (18+) का नाम अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए, पात्र महिला मतदाताओं एवं वरिष्ठ नागरिकों का नाम सूची में पूर्ण रूप से दर्ज हो, किसी भी कारण से छूटे हुए नामों का फॉर्म-6, 7, 8 के माध्यम से अद्यतन किया एवं घर-घर सत्यापन अभियान को और गति प्रदान किए जाने को कहा।

निरीक्षण के दौरान पार्षदों सहित नगर के बुद्धिजीवी, व्यापारी एवं महिलाएं भी बड़ी संज़्या में उपस्थित रहे और उन्होंने प्रशासनिक टीम को सहयोग प्रदान किया। नपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने की अपील नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण कार्य है उन्होनें कवर्धा शहर के नागरिकों को अपील किया है कि मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम जारी है आपके वार्ड में एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा मतदाता सूची परीक्षण संबंधी जानकारी दी जायेगी एवं प्रपत्र फार्म भी दिया जायएल रहा है जिसे सावधानी पूर्वक भरकर संबंधित के पास ही जमा करें।

रायपुर के आसमान में दिखी चमकदार कतार, लोगों में कौतूहल—स्टारलिंक सैटेलाइट निकला कारण

रायपुर ०४/१२ (संवाददाता): राजधानी में रविवार शाम आसमान में दिखाई दिया अनोखा नजारा चर्चा का विषय बन गया। शहर के कई इलाकों में लोगों ने आकाश में चमकते बिंदुओं की लंबी श्रंखला को एकसाथ आगे बढ़ते देखा, जो कुछ देर बाद धीरे-धीरे ओझल हो गई। अचानक दिखाई दी इस रोशनी ने बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी का ध्यान खींच लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चमकदार कतार बिल्कुल ट्रेन के डिज़्बों जैसी प्रतीत हो रही थी। उत्सुक लोगों ने मोबाइल फोन से वीडियो और तस्वीरें बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दीं। इसके बाद तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं—किसी ने इसे स्नह्र से जोड़ा, तो किसी ने इसे बाहरी ग्रहों से जुड़ी गतिविधि माना। बाद में विशेषज्ञों द्वारा स्पष्ट किया गया कि आसमान में दिखाई दी यह रोशनी किसी रहस्यमयी घटना का नहीं, बल्कि एलन मस्क की स्टारलिंक परियोजना के सैटेलाइट्स का परिणाम था। स्पेसएज़्स द्वारा संचालित यह तकनीक दुनिया भर में हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा उपलज़्ध कराने के लिए हजारों सैटेलाइट अंतरिक्ष में तैनात कर रही है। सूर्य की रोशनी इनके सतह पर पड़ने पर वे धरती से चमकदार कतार के रूप में दिखाई देते हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि ऐसी दृश्यावली पूरी तरह सामान्य है और इससे पहले देश के अन्य राज्यों—जैसे पंजाब और जज़्मू—में भी इसी तरह की चमक दिखाई दे चुकी है। रायपुर में यह दृश्य न सिर्फ उत्सुकता का कारण बना, बल्कि लोगों में अंतरिक्ष तकनीक को लेकर समझ और जिज्ञासा भी बढ़ा गया।

चिकित्सा सेवाओं के बाजारीकरण के विरुद्ध समाज

भिलाई ०४/१२ (संवाददाता): इस्पात नगरी भिलाई के जाने-माने रंगकर्मी और फिल्मकार गुलाम हैदर मंसूरी की बहुप्रतीक्षित हिंदी फिल्म 'मानव मार्केट' रिलीज के लिए तैयार है। इसका टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। अब एक दिसंबर को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने जा रहा है, वहीं सज़्पूर्ण छज़्ीसगढ़ में फिल्म की रिलीज 19 दिसंबर 2025 को रखी गई है। यह फिल्म चिकित्सा सेवाओं के बाजारीकरण के विरुद्ध जन जागरूकता के मकसद से बनाई गई है।'मानव मार्केट' के निर्माता गण कैलाश चंद्र अग्रवाल और निज़्मी रोशन सावने बताते हैं कि छज़्ीसगढ़ में एक संवेदनशील मुद्दे को लेकर फिल्म बनाने का प्रयास किया गया है ज़्योंकि यह एक ऐसा विषय है, जिससे समाज का हर वर्ग प्रभावित है। निर्मातागण का कहना है कि चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में जिस तरह एक तबका लूट पर उतारू है, उसके विरुद्ध आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से यह फिल्म बनाई गई है।निर्माता कैलाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कोरोना काल में वह स्वयं भी चिकित्सा पेशे के बाजारीकरण के भुक्तभोगी रहे हैं और उनका मकसद है कि इस लूटपाट पर रोक लगनी चाहिए। निर्देशक गुलाम हैदर मंसूरी ने बताया कि 'मानव मार्केट' बनाने का मकसद सिर्फ यही है कि हम सभी समाज में बढ़ती बाजारवाद की सोच के खिलाफ एकजुट और जागरूक रहें। जिससे स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं का लाभ समाज के हर तबके को बराबर मिले।फिल्म में ओम त्रिपाठी, नेहा शुज़्ला, बाली कुर्रे, योगेश अग्रवाल, सुरेश गोंडाले, प्रिया शर्मा, हर्षा सहारे, आरुषि पॉल, विनायक अग्रवाल, मुस्कान खान, शहाना परवीन, अनूप रे, देवेंद्र मोयल, मनोज शर्मा और हनी शर्मा ने मुज़्य भूमिकाएं निभाई है।'मानव मार्केट' के निर्देशक गुलाम हैदर मंसूरी और निर्माता कैलाश चंद्र अग्रवाल व निज़्मी रोशन सावने ने उज़्मीद जताई है कि दर्शक उनकी इस फिल्म को भरपूर प्यार देंगे। वान्या फिल्ज़्स प्रोडज़्शन, निज़्स फिल्म प्रोडज़्शन और भिलाई टॉकीज पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता कैलाश चंद्र अग्रवाल, निज़्मी रोशन सावने और गुलाम हैदर मंसूरी, निर्देशक-गुलाम हैदर मंसूरी, रिलीजिंग पार्टनर-मेघा अग्रवाल,डी.ओ.पी-राजकुमार बघेल और एम.डी. फिरोज कुरैशी, कैमरा : रेड ड्रैगन विद अल्ट्रा प्राइम लेंस, स्टोरी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग गुलाम हैदर मंसूरी, एडिटिंग और डीआई सतीश देवांगन, वीएफएज़्स स्मृति एंटरटेनमेंट, बीजीएम-संजू नंदा, डबिंग रॉयल स्टूडियो और आशु, मेक-अप विलास राउत और राजेश सिंह, हेयर रजिया परवीन, संगीतकार प्रदीप साठे, अनुग्रह जियो डेन और सिराज अहमद, गीतकार- गुलाम हैदर मंसूरी, भरत द्विवेदी, राहुल मंत्रा और अनुग्रह जियो डेन, पार्श्वगायन-मीरा त्रिपाठी, राहुल मंत्रा, इरफान जिंद्रन, ज़ोहेब अहमद और राहुल मंत्रा, एसोसिएट डायरेज़्टर और एग्जीज़्यूटिव प्रोड्यूसर-शहाना परवीन और असिस्टेंट डायरेज़्टर- कुमकुम, श्वेता यादव, अमित चंद्रिकापुरे, रवींद्र जगबंधु और प्रगति तिवारी हैं।

धमतरी पुलिस ने सराफा दुकान गोलीकांड का किया खुलासा, दो अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

धमतरी ०४/१२ (संवाददाता): शहर के चर्चित सराफा कारोबारी भंवरलाल बरड़िया की दुकान में छह माह पूर्व हुई फायरिंग और लूट के प्रयास का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने लगातार तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र के सहारे दो शातिर आरोपियों को पकड़ा। गिरज़्तारी के बाद ज्वेलर्स संचालक भंवरलाल बरड़िया ने पुलिस मुज़्यालय पहुंचकर टीम के प्रति आभार जताया। घटना 13 मई 2025 की रात लगभग 8:30 बजे रायपुर रोड स्थित बरड़िया ज्वेलर्स में हुई थी, जब दो नकाबपोश बदमाश दुकान के भीतर घुसकर शटर बंद कर दिए थे। दोनों ने संचालक को हथियार दिखाकर धमकाया और लूट की कोशिश की। आवाज सुनकर दुकान में पहुंची उनकी बेटी पर आरोपियों ने एयर पिस्टल से फायर कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। इसके बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी कोतवाली में क्क्रस्न की कड़ी धाराओं और आज़्र्स एज़्ट के तहत अपराध दर्ज हुआ। शुरुआती जांच में कोई ठोस सुराग नहीं मिला, लेकिन पुलिस ने जांच बंद नहीं की। पुलिस अधीक्षक परिहार ने केस की खुद समीक्षा कर टीमों को नए सिरे से प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके बाद शहर और मार्गों के सैकड़ों ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगाले गए, संदिग्धों की तस्वीरें प्रसारित की गईं और तकनीकी साधनों से लोकेशन ट्रैक की गई। सुराग मिलने पर तीन टीमें अलग-अलग दिशाओं में रवाना की गईं। पहला आरोपी कुंवर सिंह भदौरिया (31 वर्ष) को नागपुर से उस समय पकड़ा गया, जब वह गोवा से भिंड लौटने की कोशिश में था। दूसरा आरोपी अमरपाल सिंह (30 वर्ष) रायगढ़ से गिरज़्तार हुआ। इनके कज़्जे से एयर पिस्टल और छर्रे बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकारते हुए बताया कि वे भिंड (मध्यप्रदेश) के निवासी हैं और ट्रक से ज़्लाई ऐश ढुलाई के दौरान धमतरी आते-जाते थे। इसी दौरान दुकान की रेकी कर वारदात को अंजाम दिया। गिरज़्तारी से बचने के लिए वे लगातार शहर, राज्य और मोबाइल बदलते रहे तथा पुलिस गतिविधियों पर नजर रखते रहे। पुलिस की लगातार तकनीकी और जमीनी रणनीति से यह मामला सुलझा और आरोपी पकड़े गए। इस कार्रवाई ने व्यापारियों में राहत और अपराधियों में भय का संदेश दिया है। लंबित वादे की पूर्ति पर भंवरलाल बरड़िया ने पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार और पूरी टीम की प्रशंसा की।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से जिला पंचायत क्षेत्र 10 में विकास कार्यों की मिली बड़ी सौगात

कवर्धा ०४/१२ (संवाददाता):उपमुज़्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 10 के लिए एक महत्वपूर्ण उपलज़्धि दर्ज हुई है। क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग—दुल्लापुर, नेवारीगुड़ा, कान्हाभैरा से कंझेटा तक सड़क का निर्माण अब पूरा होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य हेतु 7 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह स्वीकृति क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगी तथा नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही परेशानियों का समाधान करेगी। क्षेत्रवासियों ने इस जनहितकारी पहल के लिए उपमुज़्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि वर्षों से इस मार्ग के अभाव में आवागमन एवं आर्थिक गतिविधियों में बाधाएं आती थीं। अब सड़क निर्माण होने से न केवल परिवहन की सुविधाओं में सुधार होगा बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य तथा व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 10 के सदस्य कैलाश चंद्रवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि उपमुज़्यमंत्री विजय शर्मा क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर लगातार प्रयासरत हैं। उनके मार्गदर्शन एवं पहल पर क्षेत्र में अधोसंरचना और मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई योजनाएँ स्वीकृत होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दुल्लापुर नेवारीगुडा से कान्हाभैरा तक सड़क इस क्षेत्र की जीवनरेखा है। दुल्लापुर के नहर पार से होते हुए नेवारीगुडा तक गांव के बाहर से नहर पार पर सडक का निर्माण होगा जो दुल्लापुर और नेवारीगुडा के बायपास के रूप में सडक का निर्माण होगा क्षेत्र के वर्षों पुरानी मांग को उपमुज़्यमंत्री ने स्थानीय रहवासियों की भावनाओं को समझते हुए इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 7 करोड़ की राशि की स्वीकृति दिलाई है, जिसके लिए हम क्षेत्र की ओर से उनका हृदयपूर्वक धन्यवाद करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किए जाने की तैयारी चल रही है। इसके पूरा होने के बाद ग्रामीण अंचल के विकास को नई गति मिलेगी।

वंदे मातरम् केवल उद्घोष नहीं दुनिया के शीर्ष 10 गीतों में सर्वाधिक लोकप्रिय दूसरा गीत

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बंगाल के कांतलपाड़ा गांव में जब 7 नवंबर, 1876 में वंदे मातरम् गीत की रचना की तब उनके मानस में शायद ही यह होगा कि यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के दिवानों का प्रेरक होने के साथ ही आजादी के बाद भी देश की राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के प्रति प्रेम और श्रृध्द्धा का प्रतीक बन जाएगा। वंदे मातरम् में जिस तरह से मॉ भारती की स्तुति की गई है वह हमारी पहचान और गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम बन गई। 1870 के भयंकार अकाल और अंग्रेजों द्वारा महारानी की शान में गौड़ सेव क्वीन के लिए बाध्य करने की प्रतिक्रिया के रुप में वंदे मातरम् की आधार भूमि तैयार हुई। कुछ समय बाद ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंद मठ में वंदे मातरम् को प्रमुख स्थान दिया गया। आनंद मठ भी गुलामी से मुक्ति और अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की भावना से ओतप्रोत उपन्यास होने से आजादी के आंदोलन ही नहीं आज भी प्रेरणा का स्रोत है। आनंद मठ में भवानन्द संन्यासी संन्यासी विद्रोहियों का नेतृत्व करते हुए यह गीत गाते हैं। वंदे मातरम् गीत की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि गुरुवर रविन्द्र नाथ टैगोर ने 1896 के कांग्रेस के सम्मेलन में इसे अपने स्वर देते हुए स्वयं गाया। उसके बाद तो वंदे मातरम् भारत की आत्मा ही बन गया। स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों के लिए तो वंदे मातरम् जयघोष ही बन गया। 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध का मार्च गीत ही वंदे मातरम् रहा। हालांकि वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिम लीग आदि ने सांप्रदायिकता, धर्म विशेष से प्रेरित और मां दुर्गा को लेकर विरोध व्यक्त किया गया और यही कारण रहा कि वंदे मातरम् गीत के आरंभिक दो छंदों को ही कांग्रेस द्वारा राष्ट्रगीत के रुप में स्वीकारा गया। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि आजादी के अमृत काल में हम वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष को मनाने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों मन की बात में देशवासियों से संवाद कायम करते हुए वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष पर आयोजनों की श्रृंखला के माध्यम से आज की पीढ़ी को वंदे मातरम् के इतिहास और प्रेरकता से रुबरु कराने का संदेश दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् भले ही 19 वीं शताब्दी में लिखा गया था लेकिन इसकी भावना भारत के हजारों वर्ष पुरानी अमर चेतना से जुड़ी थी। वेदों में जिस भाव से माता भूमि पुत्रों अहम् पृथिव्या भाव से जुड़ा है। 1950 में वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रुप में अपनाया गया। 1950 में ही जदुनाथ भट्टाचार्य ने वंदे मातरम् को संगीत दिया। जनगणमन जहां राष्ट्रगान है और औपचारिक आयोजनों में राष्ट्रगान को गाया जाता है और उसके अपने प्रोटोकाल है वहीं राष्ट्रगीत किसी भी राष्ट्रीय अवसर पर गाया जा सकता है। वंदे मातरम् केवल गीत या उद्घोष ना होकर 140 करोड़ देशवासियों को एकजुट करने, राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत करने और सनातन भारतीय संस्कृति से रुबरु कराने का माध्यम है। भारत भूमि की सनातन सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम है वंदे मातरम्। गुलामी के दौर में वंदे मातरम् राष्ट्रीय भावना, देश प्रेम और स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष रहा है तो आजादी के बाद यह देशवासियों की आत्मा बन चुका है। बहुत कम को जानकारी होगी कि दुनिया के 7000 इस तरह के गीतों में से दुनिया के अव्वल 10 गानों को चयन किया गया और उनमें से भी हमारा वंदे मातरम् राष्ट्रगीत सबसे लोकप्रिय गीतों में दूसरे स्थान पर है। यह कोई हमारी घोषणा ना होकर 2003 में बीबीसी वर्ल्ड द्वारा कराये गये वैश्विक सर्वे में उभर कर आया है। वंदे मातरम् की लोकप्रियता और सर्वग्राह्यता को इसी से आसानी से समझा जा सकता है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

राज्यव्यापी अभियान में अवैध गांजा खेती पर कार्रवाई

भुवनेश्वर ०४/१२ (संवाददाता): ओडिशा पुलिस ने गैर-कानूनी भांग की खेती के खिलाफ पूरे राज्य में अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। स्पेशल टास्क टीम, ड्रोन, सैटेलाइट और इंटेलिजेंस पर आधारित निगरानी का इस्तेमाल करके मिलकर किए गए ऑपरेशन के ज़रिए कई जिलों में हज़ारों एकड़ गैर-कानूनी खेती को खत्म कर दिया गया है। लोगों की भलाई और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के मकसद से, प्रभावित जिलों में पुलिस यूनिट्स ने खास टीमें बनाई हैं जो खासकर दूर-दराज और दुर्गम इलाकों में गैर-कानूनी भांग के खेतों का पता लगाकर उन्हें खत्म करना जारी रखती हैं। यह चल

रही कोशिश राज्य के इतिहास के सबसे बड़े एंटी-नारकोटिक्स कैंपेन में से एक है। ऑफिशियल डेटा के मुताबिक, 2025 तक 18,111 एकड़ से ज़्यादा भांग की खेती पहले ही खत्म कर दी गई है, और यह कैंपेन मार्च 2026 तक जारी रहने वाला है।

इस साल नवंबर के आखिर तक, पूरे ओडिशा में मारिजुआना तस्करी से जुड़े 473 मामले दर्ज किए गए थे। ओडिशा के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस योगेश बहादुर खुरानिया ने इस तेज़ी से हो रही तरक्की की तारीफ करते हुए कहा कि इतने कम समय में बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी खेती को खत्म करना एक बड़ी कामयाबी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले महीनों में भी यह कैंपेन इसी सख़्ती से जारी रहेगा। इसकी तुलना में, 2024 में 594 केस रजिस्टर हुए थे, और पूरे राज्य में 20,803 एकड़ से ज़्यादा भांग के बागान खत्म कर दिए गए थे। रायगढ़ा, मलकानगिरी, कोरापुट, बौध, कंधमाल, गजपति, गंजम और नबरंगपुर में गैर-कानूनी खेती की खबरें आ रही हैं। पुलिस छिपे हुए खेतों की पहचान करने और उन्हें खाली कराने के लिए सैटेलाइट इमेजिंग और ड्रोन सर्विलांस का इस्तेमाल कर रही है। ष्ठत्क्र खुरानिया ने दोहराया कि मारिजुआना की खेती करने या प्रोडक्शन में मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की जाएगी।

आरएसपी की 'उत्कर्ष' सुरक्षा चक्र टीम ने आईसीक्यूसी-2025, दुबई में प्रतिष्ठित 'पार एक्सीलेंस गोल्ड अवार्ड' जीता

राउरकेला ०४/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के ब्लास्ट फ़र्नेस-5 की 'उत्कर्ष' सुरक्षा गुणवत्ता चक्र टीम ने दुबई में आयोजित इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स (आईसीक्यूसी) 2025 में पार एक्सीलेंस गोल्ड अवार्ड जीतकर कंपनी का नाम रोशन किया है। पुरस्कार विजेता टीम में इंजीनियरिंग सहायक एवं टीम लीडर, श्री संतोष कुमार रॉय, कनिष्ठ इंजीनियरिंग सहायक एवं डिप्टी लीडर, श्री सुशांत स्वाईं, इंजीनियरिंग सहायक. श्री दीपक दास तथा इंजीनियरिंग सहायक, श्री सरोज नायक शामिल थे।

ब्लास्ट फर्नेस-5 के उप प्रबंधक, श्री विक्रम झा टीम के मददकर्ता फ़ैसिलिटेटर थे। टीम को यह सम्मान ब्लास्ट फर्नेस-5 के यु-सील क्षेत्र में लागू की गई कई नवोन्मेषी और प्रभावशाली सुरक्षा सुधार पहल हेतु प्राप्त हुआ। इन पहलों ने जोखिम खतरों को उल्लेखनीय रूप से कम किया है और एक अत्यंत महत्वपूर्ण संचालन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों को मजबूत किया है।

यह उपलब्धि आरएसपी की सतत सुधार के प्रति गहरी प्रतिबद्धता, कर्मचारियों की नवीन सोच को प्रोत्साहन, और कार्यस्थल सुरक्षा को सर्वोपरि रखने की संस्कृति को दर्शाती है।

इन्वेंशन का कमाल, आदिवासी युवक ने लगाया 5 रुपये का बाइक वॉश

ज्योंझर ०४/१२ (संवाददाता): इनोवेशन और कम्युनिटी-ओरिएंटेड सोच का एक शानदार उदाहरण, ज्योंझर के हरिचंदनपुर ब्लॉक के ब्राहमणीपाल का एक आदिवासी युवक, सिर्फ़ 5 रुपये में पूरी बाइक साफ़ करने वाली एक ऑटोमेटेड बाइक-वॉश मशीन लगाकर इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। इस अनोखी पहल ने लोगों का बहुत ध्यान खींचा है, और बाइक मालिकों की लंबी लाइनें इस बहुत सस्ती सर्विस को आज़माने के लिए लग गई हैं। रसोल पंचायत के तहत व्यस्त ब्राह्मणीपाल बाज़ार के सड़क किनारे लगी यह मशीन सिर्फ़ 10 मिनट में एक टू-व्हीलर धो देती है।

यूज़र सिस्टम में रुपये 5 का सिक्का डालते हैं, जो गाड़ी को साफ़ करने के लिए तेज़ रफ़्तार वाला पानी छोड़ने वाली एक प्रेशर गन को एक्टिवेट करता है। ऐसे समय में जब

रेगुलर बाइक-वॉश सेंटर रुपये 70 से रुपये 80 के बीच चार्ज करते हैं, यह कम लागत वाला विकल्प आदिवासी-बहुल इलाके में भीड़ खींचने वाला बन गया है। इस इनोवेशन के पीछे ब्राह्मणीपाल के एक युवा इन्वेंटर जितेंद्र हेम्ब्रम हैं। यह उनका पहला टेक्नोलॉजिकल एक्सपेरिमेंट नहीं है। 2019 में, जितेंद्र को एक पेट्रोल ATM बनाने के बाद पहचान मिली, जिसमें 100 रुपये का नोट डालने पर यूल निकलता था। यह इन्वेंशन गाड़ी चलाने वालों के लिए बहुत ज़रूरी हो गया ज्योंकि ज्योंझर-जाजपुर बॉर्डर पर 20 किलोमीटर के दायरे में कोई पेट्रोल पंप नहीं था।

एक आम बैकग्राउंड से आने वाले जितेंद्र, कहनू चरण हेम्ब्रम और डुमुनी हेम्ब्रम की तीसरी संतान हैं। पैसे की तंगी की वजह से उन्हें मैट्रिक के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। अपने परिवार का गुज़ारा करने के लिए, उन्होंने एक प्राइवेट कंपनी में इलेक्ट्रिकल वायरिंग का काम शुरू किया, लेकिन इनोवेशन में उनकी दिलचस्पी उनके स्कूल के दिनों से है, जहाँ उन्होंने साइंस एग्ज़िबिशन में हिस्सा लिया था। अपने सफ़र के बारे में बात करते हुए, जितेंद्र ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगर उन्हें पैसे की मदद मिली तो वे इनोवेशन करते रहेंगे। उनका सपना एक कम लागत वाला ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम बनाना है जो लोगों को सस्ते में सफ़र करने में मदद कर सके।

मैंने सबसे पहले एक मिनी-पेट्रोल पंप बनाया। मैंने इस पर आठ महीने लगाए और धीरे-धीरे इससे बहुत कुछ सीखा। बाइक-वॉश्रू का आइडिया भी मुझे तभी आया था। ज्योंकि यह एक आसान चीज़ थी, इसलिए मैंने इसे तब नहीं बनाया था, खुश जितेंद्र ने कहा। हमारा इलाका माइनिंग एरिया है। यहाँ बाइक सर्विसिंग की कोई सुविधा नहीं है। हमारे भाई ने सबसे पहले 100 रुपये का पेट्रोल्रू बनाया था। उन्होंने एक ऐसा स्कूटर भी बनाया था जो हेलीकॉप्टर की तरह उड़ सकता था। उनके इनोवेशन और ज्ञान हमारे जिले के लिए गर्व की बात हैं।

हम उनके नए 5 रुपये के बाइक-वॉश से बहुत खुश हैं, एक लोकल श्रीकुमार राउत ने कहा।

इस युवा इनोवेटर का 5 रुपये का बाइक-वॉश्रू न केवल लोकल लोगों के लिए एक सुविधा बन गया है, बल्कि दूर-दराज के इलाकों से उभर रही जमीनी क्रिएटिविटी और प्रॉब्लम-सॉल्विंग का भी एक सिंबल बन गया है।

बालासोर बीच पर 50 क्विंटल से ज़्यादा वज़न वाली बड़ी व्हेल शार्क की लाश मिली

बालासोर ०४/१२ (संवाददाता): बालासोर के भोगराई समुद्र तट क्षेत्र में तलासरी में 30 फीट से अधिक लंबाई वाली एक विशाल व्हेल शार्क का शव मिला। मछली का वजन 50 क्विंटल से अधिक होने का अनुमान है, यह इस क्षेत्र में देखी जाने वाली अपने आकार की पहली मछली है, जिसने निवासियों और आगंतुकों दोनों का महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। रिपोर्टों के अनुसार, भोगराई में सहबाजीपुर के पांच मछुआरे बुधवार सुबह मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए थे। उन्होंने किनारे से लगभग 700 फीट दूर अपना जाल डाला, और इसे खींचने की प्रक्रिया के दौरान व्हेल शार्क अन्य मछलियों के

साथ उलझ गई। जब तक इसे करीब लाया गया, तब तक मछली मर चुकी थी। मछुआरों ने पहले व्हेल शार्क को मैन्युअल रूप से किनारे पर खींचने का प्रयास किया, लेकिन इसके आकार और वजन के कारण ऐसा करने में असमर्थ रहे।

लेकिन, जब मछली किनारे से करीब 50 फीट दूर पहुँची, तो कम गहरे पानी की वजह से उसे और आगे खींचना नामुमकिन हो गया। मछुआरों और आस-पास के लोगों समेत करीब 100 लोगों ने मछली को बीच पर खींचने की कोशिश की, लेकिन बार-बार कोशिश करने के बाद भी कोशिश कामयाब नहीं हुई। तब से इस बड़ी व्हेल शार्क की मौजूदगी ने टूरिस्ट और आस-पास के लोगों की बड़ी भीड़ को अपनी ओर खींचा, और कई लोग इस अनोखी चीज़ की एक झलक पाने के लिए उस जगह पर आए।

कांग्रेस विधायकों ने आरक्षण के मुद्दे पर विस में विरोध प्रदर्शन किया

भुवनेश्वर ०४/१२ (संवाददाता): कांग्रेस ने गुरुवार को ओडिशा असेंबली में रिज़र्वेशन के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद स्पीकर को कुछ देर के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। जैसे ही सदन प्रश्नकाल के लिए शुरू हुआ, कांग्रेस के सदस्य वेल में आ गए और राज्य की ब्झ्घ्क्क सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे, उनका आरोप था कि डेमोक्रेसी की हत्या कर दी गई है। वे राज्य में आबादी के हिसाब से SC, ST और OBC के लिए रिज़र्वेशन का प्रावधान करने के लिए पार्टी द्वारा एक प्रस्ताव पेश करने की इजाज़त न दिए जाने का भी विरोध कर रहे थे। कांग्रेस लेजिस्लेचर पार्टी के नेता राम चंद्र कदम ने सदन में यह मुद्दा उठाया और कहा कि उन्होंने बुधवार को सदन में स्ट्, स्ज्ञ और ह्ब्ष्ट के लिए रिज़र्वेशन पर एक प्रस्ताव पेश करने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उन्हें ऐसा करने की इजाज़त नहीं दी गई।कांग्रेस के स्न्रुने नारे लगाए, और ब्झ्घ्क्क सरकार पर सदन में विपक्षी सदस्यों के अधिकारों को नकारने का आरोप लगाया। सदन चलाने में असमर्थ, स्पीकर सुरमा पाधी ने कार्यवाही सुबह 10.46 बजे से 11.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

बाद में, स्पीकर ने अपने चैंबर में ष्टस्क्र लीडर के साथ मीटिंग की और स्न्रु सुबह 11.30 बजे फिर से इकट्ठा हुए। फिर से, कांग्रेस के विधायकों ने रिज़र्वेशन के मुद्दे पर राज्य सरकार के खिलाफ़ नारे लगाने शुरू कर दिए।

रेलवे अधिकारी के घर छापा

भुवनेश्वर ०४/१२ (संवाददाता): आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में भुवनेश्वर के एक रिटायर्ड रेलवे अधिकारी के कई ठिकानों पर बुधवार सीबीआई की टीमों ने छापामारी की है। सीबीआई भुवनेश्वर समेत 4 जगहों पर एक साथ छापेमारी की है। सीबीआई की 5 टीमें भुवनेश्वर में 2ए कटक में एक और जगतसिंहपुर में एक जगह एक साथ जांच कर रही हैं।

छापेमारी के दौरान सीबीआई को इमरजेंसी कागजातए कैशए बैंक डिपॉजिटए पासपोर्टए सोने के जेवरातए वाहनए जमीन के कागजात और फ्लैट मिले। सीबीआई ने जिसके घर छापा मारा है उसका नाम प्रमोद जेना है। प्रमोद जेना ईस्ट कोस्ट रेलवे के पूर्व प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक थे।

सीबीआई की यह छापेमारी आय से 1 करोड़ 92 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति रखने के मामले में हुई है।

आरएसपी के सिंटरिंग प्लांट-१ के महा मरामती अभियान में बड़े उन्नयन और ओवरहॉलिंग सफलतापूर्वक संपन्न

राउरकेला ०४/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के सिंटरिंग प्लांट-१ (एसपी-१) का महामरामती, जो किया गया था, उच्च तकनीकी गुणवत्ता, उत्कृष्ट समन्वय और कड़ी सख़्त सुरक्षा अनुपालन के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस बड़े मरम्मती कार्यक्रम में सिंटर प्लांट की विश्वसनीयता और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए ज़रूरी कई महत्वपूर्ण तकनीकी और संरचनात्मक हस्तक्षेप शामिल थे।

शटडाउन के दौरान किए गए मुख्य कामों में इंस्ट्रूमेंटेशन और ऑटोमेशन विभाग के विशेष सहयोग से प्रोसेस ऑटोमेशन को आधुनिक बनाने के लिए एक बड़ा पीएलसी उन्नयन, पीएमडी लाइनर प्रतिस्थापन और यूनिट 45 और 45क्र में लाइनर प्रतिस्थापन के साथ पैलेटाइजिंग ड्रम शेल का एक्सटेंशन शामिल था। इन सभी कामों के लिए बहुत सावधानी से इंजीनियरिंग और प्लानिंग की ज़रूरत थी। टीम ने एयर कैपेसिटी बढ़ाने के लिए मेन ब्लोअर-2 का इम्पेलर भी बदला, कई मटेरियल-हैंडलिंग बेल्टों का नवीनीकरण और एक नई कोल्ड स्क्रीन डेक प्लेट लगाई। सिंटर ब्रेकर यूनिट, कोल्ड स्क्रीन इक्विपमेंट को बदलने और ऊपर और नीचे के बीम को नया करने से सिस्टम की स्टेबिलिटी और मज़बूत हुई। दोनों फर्नेस में रिफ्रैक्ट्री रीलाइनिंग की गई जिससे तापीय दक्षता सुनिश्चित हो सके। । गैस सिस्टम को नया बनाने के हिस्से के तौर पर, 900-एमएम डायमीटर की 53 मीटर और 350-एमएम डायमीटर की 50 मीटर गैस लाइनें बदली गईं। ईएसपी एमिटिंग इलेक्ट्रोड बदले गए, लगभग 250 मीटर पैन कन्वेयर रेल को नया किया गया, और सक्शन लाइनों में कई लीकेज पॉइंट्स की मरम्मत की गई, जिससे प्लांट का काम आसानी से और सुरक्षित तरीके से चलता रहा। मरम्मती का काम एसपी-1 के अधिकारियों, कर्मचारियों और कॉन्ट्रैक्टर एजेंसियों की मेहनत से पूरा हुआ। कामों को एसपी-1 की समर्पित टीम ने समय पर पूरा किया, जिसका नेतृत्व महाप्रबंधक प्रभारी (एसपी-1), श्री शुभ्रांग्शु चक्रवर्ती कर रहे थे, और इसकी लगातार निगरानी और मार्गदर्शन मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर), श्री शेखर नारायण कर रहे थे।

1965 में शुरू हुआ एसपी-1, आरएसपी के सिंटरिंग संचालन की एक अभिन्न इकाई है।

नवीनतम उपकरण उन्नयन और स्वचालन सुधारों के साथ एसपी-1 अब बेहतर उत्पादकता, उन्नत प्रक्रिया नियंत्रण और ज़्यादा परिचालन दक्षता के लिए अच्छी स्थिति में है।